आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक 136- ● जबलपुर ● गुरुवार, 17 जून, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष -7 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

ममलेश्वर के पट खुले

10 हजार मकानों पर बुलडोजर चलना तय

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फरीदाबाद निगम को लक्कड़पुर-खोरी गांव के वन-क्षेत्र में स्थित तमाम घरों को छह हफ्ते के भीतर ढहाने के अपने आदेश में किसी भी तहर के बदलाव से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि हर हालत में वन-क्षेत्र खाली होना चाहिए और इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। वन-क्षेत्र में करीब 10 हजार घर बने हुए हैं। यानी कि अब 10 हजार से ज्यादा घरों पर बुलडोजर का चलना तय हो गया है।

स्वरा और ट्विटर एमडी की शिकायत

गाजियागाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक मुस्लिम बुजुर्ग की पिटाई से जुड़े एक वायरल वीडियो को लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर, ट्विटर इंडिया के एमडी मनीष माहेश्वरी समेत अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। आरोप है कि गाजियाबाद में हुई बुजुर्ग के साथ मारपीट के मामले में इन सभी ने भड़काऊ ट्वीट किया है। पुलिस जांच में जुटी हुई है और इस पूरे विवाद के ताबीज खरीद को लेकर अनबन का कारण बताया था। लेकिन बाद में बुजुर्ग शख्स ने अपने एक बयान में यह भी बताया कि वह ताबीज से जुड़ा कोई काम नहीं करता है। मारपीट करने वालों ने उस पर जय श्री राम का नारा बोलने का दबाव बनाया था।

30-30-40 का फॉर्मूला, सरकार ने बताई मूल्यांकन नीति, यूनिट टेस्ट, टर्म एग्जाम और प्रैक्टिकल अंकों का आधार

31 जुलाई तक आएगा सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट

नई दिल्ली।

सीबीएसई समेत विभिन्न राज्यों के बोर्ड ने अपने यहां 12वीं की परीक्षाओं को रद्द कर दिया। अब रिजल्ट कैसे जारी किया जाए, इस पर भी तस्वीर साफ हो गई है। सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में बताया गया है कि 31 जुलाई तक सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। इसके लिए 30-30-40 फॉर्मूला अपनाया जाएगा। यानी 10वीं और 11वीं कक्षा के फाइनल रिजल्ट को 30-30प्रतिशत वेटेज दिया जाएगा और 12वीं कक्षा के प्री बोर्ड एग्जाम को 40प्रतिशत वेटेज देते हुए छात्र का परिणाम जारी कर दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि कक्षा 10 (30 प्रतिशत वेटेज), कक्षा 11 (30 प्रतिशत वेटेज) और कक्षा 12 (40 प्रतिशत वेटेज) में प्रदर्शन के आधार पर 12वीं के अंक तय किए जाएंगे। अधिकांश छात्रों ने इस फॉर्मूल पर प्रसन्नता जाहिर की है। सीबीएसई की ओर से अटॉर्नी जनरल ने प्रस्ताव दिया कि छात्रों को कक्षा 12 के प्री-बोर्ड स्कोर, कक्षा 10 और 11 के अंतिम अंकों के औसत के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए। यह थ्योरी सेक्शन के लिए होगा और प्रैक्टिकल के लिए अंक स्कूलों द्वारा जमा किए जाएंगे। अटॉर्नी जनरल ने कहा, दसवीं और ग्यारहवीं कक्षा के लिए टर्म परीक्षाओं में पांच पेपरों में से तीन में से सर्वश्रेष्ठ अंकों को लिया जाएगा। वहीं बारहवीं कक्षा के लिए यूनिट, टर्म और प्रैक्टिकल में प्राप्त अंकों को ध्यान में रखा जाएगा।

कई दौर की बैठकों के बाद फॉर्मूला बना

सरकार द्वारा बनाई 13 सदस्यीय कमेटी (पैनल) की कई दौर की बैठकों के बाद यह फॉर्मूला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश किया गया है। सर्वोच्च अदालत की इस सुनवाई पर विभिन्न राज्यों के बोर्ड की भी नजर थी। बता दें, कोरोना महामारी से बच्चों को बचाने के लिए इस बार सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, झारखंड, तेलंगाना, गोवा, गुजरात बोर्ड ने भी अपने यहां परीक्षाएं रद्द कर दीं। अब सभी को रिजल्ट का इंतजार है।

फटाफट खबरें

मुकुल रॉय ने छोड़ी भाजपा तो गृह मंत्रालय ने वापस ली सुरक्षा

कोलकाता । गृह मंत्रालय ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को छोड़कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का दामन थामने वाले मुकुल रॉय की सुरक्षा को वापस ले लिया है। बता दें कि मुकुल रॉय ने टीएमसी में शामिल होने के बाद शनिवार को गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर अपनी सीआरपीएफ सुरक्षा वापस लेने के लिए कहा था। तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल होने पर मुकुल रॉय को केंद्र सरकार ने वाई प्लस सुरक्षा दी थी।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल कल

साउथहैम्प्टन। भारत के हर नागरिक की निगाहें इंग्लैंड में खेले जा रहे मैंचों के ऊपर बनी हुई है। ऐसे में मानसून का आगमन दर्शकों और खिलाड़ियों की दिल की धड़कन की गति को बढ़ा देता है। 18 जून को साउथहैम्प्टन में भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच खेला जाने वाला है, जिसे लेकर कई सारी बातों का ध्यान रखा जा रहा है। खासतौर पर लोगों का ध्यान जहां पिच पर बना हुआ है तो वहीं मौसम के रंग बदलने का भी डर बना हुआ है।

डब्ल्यूएचओ और इंटरपोल पर नियंत्रण की साजिश रच रहा चालबाज चीन

नई दिल्ली। विस्तारवादी नीति अपनाने और दुनिया पर अपनी धाक जमाने की कोशिश करने वाला चीन अब नई साजिश रच रहा है। चीन अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और इंटरपोल जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को अपने कंट्रोल में करने की कोशिश में लगा हुआ है। यह दावा हाल ही ब्रिटेन के एक संसदीय पैनल ने किया। ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स की विदेश मामलों की समिति की गुरुवार एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट को विदेश नीति पर काम करने वाले 11 सांसदों ने तैयार किया है। इस रिपोर्ट में चीन और रूस को लेकर चेतावनी दी गई। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि चीन विस्तारवादी रवैया अपनाते हुए बेहद आक्रमक रुख अपना रहा है।

डायवर्सन, सट्टा, लेनदेन, कंसोर्टियम बैंक खातों में बिक्री की रुटिंग न करने और सात सिस्टर कंपनियों के साथ लेनदेन में गड़बड़ी

कई बैंकों के साथ गबन का आरोप

188.35 करोड़ के घोटाले में कारोबारी उमेश शहारा के ठिकानों पर सीबीआइ के छापे

इंदौर।

इंदौर में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने शहर के बड़े कारोबारी उमेश शहारा सहित उसके सहयोगियों पर 188.35 करोड़ के घोटाले के केस दर्ज किया है। सीबीआइ की एक टीम ने बुधवार को शहरा के मुंबई,इंदौर,बैंगलुरु सहित छह ठिकानों पर छापे भी मारे। एजेंसी ने सभी जगहों पर फर्जीवाड़े से जुड़े दस्तावेज जब्त किए और कुछ लोगों से पूछताछ भी की। सीबीआइ एसपी एमवी श्रुति के मुताबिक बैंक ऑफ बड़ौदा के डीजीएम राजेश डी.शर्मा ने 29 मई दो 2021 को मैसर्स रुचि ग्लोबल लिमिटेड और उसके कर्ताधर्ता उमेश शहारा (ओल्ड पलासिया एबी रोड़ इंदौर) साकेत बड़ौदिया (मालीपुरा मैनरोड़ इंदौर) आशुतोष मिश्रा स्कीम-114 एवं अन्य के खिलाफ फर्जीवाड़ा की शिकायत दर्ज करवाई थी। बैंक अफसरों ने बताया कि 1 जनवरी 2016 से 31 दिसंबर 2017 की अवधि के दौरान डायवर्सन, सट्टा,लेनदेन, कंसोर्टियम बैंक खातों में बिक्री की रुटिंग ने करने और सात सिस्टर कंपनियों के साथ लेनदेन में गड़बड़ी कर उधार देने वाले बैंक पंजाब नेशनल बैंक,जम्मू एंड कश्मीर बैंक,देना बैंक,ऑरियंट बैंक ऑफ कॉमर्स सहित अन्य के साथ गबन किया। एसपी के मुताबिक सीबीआइ ने मामले की जांच की और 14 जून को के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया।

कई धाराओं में केस दर्ज, बैंक अफसर भी शामिल

सीबीआइ अफसरों के मुताबिक आरोपितों पर धारा 420,120बी,13(2) आरडब्ल्यू,13(1) डी के तहतस केस दर्ज किया है। आरोप है कि घोटाले में अफसर भी शामिल है। मामले की निरीक्षक नजीम खान को मामले की जांच सौंपी है। खान की निगरानी में छह टीमें बना कर आरोपितों के ठिकानों पर छापे मारे गए थे।

पति के साथ मंदिर से लौट रही महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या

मुरैना (एजेंसी)।

मुरैना में बसैया माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे पति-पत्नी का रास्ते से 7 नकाबपोश बदमाशों ने अपहरण कर लिया। बदमाशों के चंगुल से पति तो छूटकर भाग निकला, लेकिन पत्नी का शव नग्नावस्था में खेतों में मिला है। महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या हुई है। मृतका के गहने भी गायब हैं। मृतका का पति 7 अज्ञातों को आरोपित बता रहा है, इसलिए पुलिस ने अज्ञात आरोपितों पर अपहरण, हत्या का मामला तो दर्ज कर लिया है, लेकिन पुलिस ने पति को भी संदेह के दायरे से बाहर नहीं किया है। जौरा तहसील के गांव निवासी 23 वर्षीय राजा, 22 साल की पत्नी रजनी (दोनों के परिवर्तित नाम) को लेकर मंगलवार को अपनी ससुराल अंबाह के रडुआपुरा गांव गया था। बुधवार को शाम 4 बजे वह ससुराल से लौटकर आ रहा था।

सावधान! टला नहीं है खतरा

देश में फिर कोरोना के नए केस बढ़े, मौतें भी ज्यादा

नई दिल्ली । देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर का कहर अभी थमा नहीं है। कोरोना से होने वाली दैनिक मौतों का आंकड़ा अब भी चिंता का सबब बना हुआ है। पिछले एक हफ्ते से लगातार कोरोना के नए केस एक लाख से कम दर्ज किए जा रहे हैं। हालांकि, कोरोना के दैनिक मरीजों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। देश में बीते 24 घंटों में 67,208 कोरोना मरीज मिले हैं और 2,330 लोगों की जान चली गई है। इससे एक दिन पहले, 62,224 नए मामले सामने आए थे। बुधवार को कोविड-19 के लिए 19,31,249 नमूनों की जांच की गई, जिसके साथ ही देश में अब तक कुल 38,52,38,220 नमूनों की जांच हो चुकी है। देश भर में टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 की कुल 26,55,19,251 खुराक लोगों को लगायी जा चुकी हैं।

नेपाल में जल प्रलय, बादल फटने से 26 लापता

काठमांडू । नेपाल में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति बन गई है। बाढ़ के कारण कई इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मध्य नेपाल में बादल फटने की आशंका के चलते पूरा इलाका टापू में तब्दील हो गया है। इलाके में रहने वाले सैकड़ों परिवारों ने मुख्य बाजार चौक से कुछ सौ मीटर की दूरी पर स्थित एक स्थानीय स्कूल में शरण ली है। वहीं, सिंधुपाल चौक में अचानक आई बाढ़ में कई लोगों के बहने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, तीन भारतीय समेत इसमें 23 लोग लापता हो गए हैं। इसमें चीनी लोग भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि मध्य नेपाल में पिछले चार दिनों से भारी बारिश हो रही है ।गुरुवार की सुबह सिंधुपाल चौक में अचानक बादल फट गया। जिसमें 26 लोग लापता हो गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन चालू है।

बिहार में बाढ़

नेपाल में बारिश के साथ बिहार में मानसून की पहली बारिश ने बाढ़ की चिंता बढ़ा दी है। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश से जगह-जगह जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है,तो वहीं गांगा , गंडक, बूढ़ी गंडक समेत कई नदियांसमेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बहने लगी हैं। पहली बार गंडक नदी जून में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मानसून की शुरुआत में ही चार लाख क्यूसेक से अधिक पानी हो गया। वहीं मौसम विभाग ने राजधानी पटना समेत 12 जिलों में बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक गुरुवार दर्दनाक हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार कार के बाया नदी में गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई ।

20 फीसदी तक सस्ते होंगे खाद्य तेल, इम्पोर्ट ड्यूटी घटाई

नई दिल्ली , (एजेंसी)।

भारत में पिछले कुछ समय से जनता तेल की महंगाई से जूझ रही है। खाने का तेल हो या पेट्रोल डीजल सभी तरह के तेल की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही है। कई राज्यों में पेट्रोल की कीमतें लगातार 100 रुपये के पार बनी हुई हैं तो राजस्थान के श्रीगंगानगर में डीजल भी शतक लगा चुका है। वहीं खाने के तेल की कीमतें भी काफी ज्यादा हैं। इस बीच सरकार ने खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं। भारत सरकार खाद्य तेल पर इंपोर्ट ड्यूटी कम कर रही है। ताकी खाने वाले तेल की कीमतें कम हो सकें। भारत में खाद्य तेल का उत्पादन कम है, लेकिन मांग ज्यादा है। इस वजह से यहां तेल की कीमतें बहुत हद तक अंतर्राष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट आ रही है। इसके साथ ही सरकार ने इंपोर्ट टैक्स कम किया है। इसके बाद उम्मीद लगाई जा रही है कि देश में तेल की कीमतें कम हो सकती हैं।

भोपाल में मिला कोरोना का डेल्टा प्लस वेरिएंट

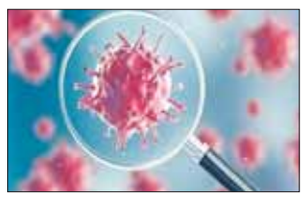

भोपाल। लोकोरोना की दूसरी लहर अभी धीमी पड़ी थी कि प्रदेश में कोरोना के नए वैरिएंट की दस्तक ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की नींद उड़ा दी है। भोपाल में कोरोना का नया वैरिएंट डेल्टा प्लस मिला है। यह दूसरी लहर में आंतक मचाने वाले डेल्टा वैरिएंट (बी.1.617.2) का ही बदला स्वरूप है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस पर मोनोक्लोनल एंटीबॉडी कॉकटेल दवा का भी असर नहीं होगा। दो दवा कंपनियों ने हाल ही में यह कॉकटेल इंजेक्शन बनाया था। उम्मीद की जा रही थी कोरोना के इलाज में यह बेहद कारगर होगा।गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) भोपाल से इस महीने 15 सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। मंगलवार को आई रिपोर्ट में एक सैंपल में वायरस का डेल्टा प्लस वैरिएंट मिला है। बाकी में डेल्टा और अन्य वैरिएंट हैं। हालांकि, नया वैरिएंट मिलने की अधिकारी पुष्टि नहीं कर रहे हैं। भोपाल के सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि रिपोर्ट अभी उन्होंने देखी नहीं है, इसलिए कुछ नहीं कह सकते।राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के डायरेक्टर डॉ. सुजीत कुमार सिंह ने कहा कि देश में अभी सिर्फ छह मामले सामने आए हैं। दुनिया में 150 से कम मामले हैं। यह डेल्टा वैरिएंट ही है। अभी यह कहना गलत होगा कि यह डेल्टा प्लस ज्यादा संक्रामक या घातक है। इसकी वजह यह कि देश में अभी सिर्फ छह मामले मिले हैं। इस आधार पर कोई निष्कर्ष निकालना ठीक नहीं हैं।

पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा को एनआईए ने हिरासत में लिया

मुंबई एंटीलिया केस और मनसुख मर्डर मामले में नए-नए खुलासे हो रहे हैं। आज मुंबई के पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट और शिवसेना नेता प्रदीप शर्मा के घर पर एनआईए छापेमार कार्रवाई कर रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रदीप शर्मा को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि प्रदीप शर्मा एनआईए के रडार पर काफी समय से चल रहे थे, लेकिन जांच एजेंसी के पास प्रदीप शर्मा के खिलाफ पूख्ता सबूत नहीं थे। अब एनआईए के पास ठोस सबूत मिले हैं।

पटना में सियायत जारी, पारस गुट के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव आज

पटना । बिहार में इन दिनों नई राजनीतिक बिसात बिछाई जा रही है। लोक जनशक्ति पार्टी दो गुटों में बंटी हुई है। पार्टी में वर्चस्व कायम रखने के लिए पारस और चिराग गुट आमने-सामने है। पशुपति पारस को लोक जनशक्ति पार्टी का संसदीय बोर्ड का नया अध्यक्ष बनने के बाद अब पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा। इसपर आज फैसला किया जाएगा। पारस गुट की तरफ से राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक बुलाई गई है। आज ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी होगा। पशुपति कुमार पारस अपना नामांकन भरेंगे और दोपहर के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। यह बैठक लोजपा के कार्यकारी अध्यक्ष चुनाव प्रभारी सूरज भान सिंह के निजी आवास पर होगा। हालांकि पार्टी कार्यालय में चुनावी प्रक्रिया नहीं होने से सवाल उठने लगे हैं। दरअसल, पिछले कुछदिनों से लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) पर कब्जे की लड़ाई चल रही है। पार्टी चाचा पशुपति कुमार पारस और भतीजा चिराग पासवान के बीच बंट गई है। दोनों गुटों के कार्यकर्ता सड़कों पर हैं। दिल्ली से लेकर पटना तक में दोनों गुटों के कार्यकर्ता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करने में जुटे हुए हैं। पशुपति पारस पार्टी में तानाशाही का आरोप लगा रहे हैं। तो चिराग पासवान चाचा पर विश्वासघात का आरोप लगा रहे हैं।

नए विंडोज की लॉन्चिंग इवेंट में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ और चेयरमैन मौजूद रहेंगे

खुशखबर: फ्री में मिल सकता है Windows 11 का अपडेट, 24 को लॉन्चिंग

टेक डेस्क। 24 जून को विंडोज का नया वर्जन लॉन्च करने वाला है। नए विंडोज के नाम की तो फिलहाल आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि नए विंडोज को Windows 11 नाम दिया जाएगा। नए विंडोज की लॉन्चिंग इवेंट में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ और चेयरमैन सत्य नडेला और चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर पैनोस पनाय दोनों मौजूद रहेंगे। इवेंट का आयोजन 24 जून को शाम 8.30 बजे से होगा। नए ओएस में यूजर इंटरफेस में कई तरह के बदलाव देखने को मिल सकते हैं। नए विंडोज का कोडनेम Sun Valley बताया जा रहा है। अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि Windows 11 का अपडेट विंडोज 7 और विंडोज 8.1 वालों को फ्री में मिलेगा। XDA डेवलपर्स की एक रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि विंडोज 11 का अपडेट सिर्फ विंडोज 10 यूजर्स को ही नहीं बल्कि विंडोज 7 और विंडोज 8.1 वालों को भी मिलेगा। यदि माइक्रोसॉफ्ट वास्तव में ऐसा करती है तो उसके नए विंडोज के यूजर्स की संख्या में जबरदस्त इजाफा देखने को मिल सकता है। इस्ट डेवलपर्स की रिपोर्ट में विंडोज 11 का प्रोडक्ट कंफिग्रेशन कीज का भी जिक्र किया गया है जिसके आधार पर कहा जा रहा है कि विंडो 7 और विंडो 8.1 वालों का भी इसका अपडेट मिलेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस अपग्रेड के लिए विंडोज 8 वालों को पहले विंडोज 8.1 में अपग्रेड करना होगा, उसके बाद ही विंडो 11 का अपडेट मिल सकेगा। Statcounter के डाटा के मुताबिक विंडोज 10 के बाद विंडो 7 दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला ऑपरेटिंग सिस्टम है। विंडोज 7 का मार्केट शेयर 15.52 फीसदी है, वही विंडो 8.1 का 3.44 फीसदी और विंडो 8 मार्केट शेयर 1.27 फीसदी है। विंडोज 11 में एप्स के नए आइकन, एनिमेशन, नया स्टार्ट मीनू, टास्कबार लेआउट देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा नए विंडोज के साथ कंपनी एप को री-अरेंज भी कर सकती है जिसका फायदा मल्टीपल मॉनिटर में मिलेगा। इसके अलावा इसमें सपोर्ट और, ब्लूटूथ ऑडियो को बेहतर बनाया जा सकता है। माइक्रोसॉफ्ट एक नए एप स्टोर पर भी काम कर रहा है। कहा जा रहा है कि इस बार कंपनी क्लाउड आधारित विंडोज पेश कर सकती है। इसका बड़ा फायदा यह होगा कि कंपनी की यह सेवा सब्सक्रिप्शन आधारित होगी जिसके उसे काफी मुनाफा होगा। इसके अलावा क्लाउड आधारित होने के कारण जैसे गेम्स को लेकर भी कोई परेशानी नहीं होगी। तीसरा फायदा यह होगा कि कंपनी अपने बेहतर इस्तेमाल कर पाएगी

लापरवाही से बाज नहीं आ रहे है लोग

कोरोना से बचाव की गाइडलाइन्स दरकिनार

जबलपुर । पूरे देश प्रदेश समेत जबलपुर में में कोरोना की भयावहता और मौत का तांडव देखने के बावजूद लोग लापरवाही से बाज नहीं आ रहे है। यहीं कारण है कि अब भी लोग बिना मास्क के यहां-वहां घूम रहे है। कोरोना संक्रमण से बचाव की गाइडलाइन्स फिर किनारे की जाने लगी हैं। बाजारों के खुलते ही सोशल डिस्टेंसिंग की जरूरत को नजरअंदाज किया जा रहा है। बाजारों में फेस मास्क नाक से उतरकर ठोड़ी तक आ चुके हैं। सैर-सपाटे पर निकलने को आतुर लोगों की कारों के काफिले हिल स्टेशनों की तरफ कूच करने लगे हैं। कोरोना की दूसरी लहर की भयावहता के बाद जो धैर्य लोगों में भय से नजर आ रहा था, उसे दरकिनार करने की होड़ जैसी लगी है। हम न भूलें कि कोरोना संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। ऐसे करीब रोजाना लोगों पर जुर्माने की कार्रवाई शहर में की जा रही है। वहीं सुरक्षित शारीरिक दूरी का पालन न करने और गंदगी फैलाने के मामले में लोगों पर कार्रवाई जारी है इसके बाद हाह है। दरअसल, एक जून से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो गई है।बीते सोमवार से प्रतिबंधों में और स्थिलता के बाद से शहर में भीड़ लगना और जाम की स्थिति बनना शुरू हो गई है। सुरिक्षत शारीरिक दूरी के नियमों का पालन नहीं हो पा रहा है। एक छोटी सी दुकानों में भी करीब 8 से 10 लोग एकत्रित हो रहे है। बाजार में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जा रहा है। बाजार में बच्चे भी अपने अभिभावकों के साथ पहुंच रहे हैं, जिनके द्वारा मास्क व सोशल डिस्टेंस के मामले में लापरवाही की जा रही है। बाजार में 90 फीसदी लोग मास्क का प्रयोग दिखावे के लिए करते हुए देखे जा रहे। इनके द्वारा नाक और मुंह पूरी तरह से ढंका नहीं जा रहा। मास्क गले में लटकाया जा रहा है। किसी अधिकारी या पुलिस की गाड़ी आते देख ही मास्क लगाने का ख्याल आ रहा है, वहीं अधिकांश लोग मुंहबंद कर रहे हैं। नाक खुली छोड़ रहे हैं, जिससे मास्क का प्रयोग सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। शहर में अधिकांश बाइक चालक मास्क का उपयोग नहीं कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में संक्रमण के फैलाव का खतरा ज्यादा बढ़ रहा है। बाजार पूरा खुल गए हैं,लेकिन दुकानदार कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई जा रही है। इन दुकानदारों को दुकान खोलने की मंजूर इस शर्त पर दी गई है कि नो मास्क, नो सर्विस का नियम लागू रहेगा लेकिन ये दुकानदार ही मास्क का उपयोग नहीं कर रहे हैं तो फिर अपने यहां आने वाले दुकानदार को यह कैसे कह सकते हैं कि आप मास्क लगाकर दुकान के अंदर प्रवेश करें। इधर अधिकारियों का तर्क है कि बिना मास्क के घूमने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। वहीं बाजार में सुरक्षित शारीरिक दूरी के नियमों का पालन करने के लिए कोरोना सेफ्टी टीमें बनाई गई है। इसके बाद भी लोग नहीं सुधर रहे।

हम न भूलें कि संकट अभी खत्म नहीं हुआ

पंचिंग से हाजिरी कहीं बन न जाए जान की आफत

ओएफ के में आदेश का संघर्ष समिति ने किया विरोध

जबलपुर यशभारत।जबलपुर में जब कोरोना संक्रमण के आंकड़े 946से घटकर दहाई से नीचे आ चुके हैं तब खमरिया प्रबंधन का आदेश पुन: कोरोना का कहर न बरपा दे।क्योंकि खमरिया प्रबंधन ने अब कर्मचारियों की हाजिरी के लिए पंचिंग अनिवार्य कर दिया है।प्रबंधन के इस आदेश का लेबर यूनियन सुरक्षा कर्मचारी यूनियन और कामगार यूनियन ने विरोध करते हुए इसे अवैज्ञानिक करार देते हुए तत्काल इसे वापिस लेने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि डी ओ पी टी ने कोरोना से बचाव के लिए कर्मचारियों को पंचिंग हाजिरी से छूट देते हुए उनकी भौतिक हाजिरी लगाने के निर्देश दिए थे ताकि कर्मचारियों के बीच भौतिक संपर्क न हो सके क्योंकि कोरोना संक्रमित बीमारी है।लिहाजा कर्मचारियों को छूट प्रदान की गई।सबसे ब?ी बात यह उभर कर सामने आई कि निर्माणियों मे विधिवत काम सुचारू रूप से चल रहा है उत्पादन पर भी कोई फर्क नहीं पड़ा है।वर्तमान में व्हीकल फैक्ट्री जी आई एफ मे कर्मचारियों को पंचिंग हाजिरी की अनिवार्यता नहीं है।इतना ही नहीं गत वर्ष कोरोना की पहली लहर मे कमी आने के बाद भी पंचिंग हाजिरी मे छूट रही।जिससे कोरोना प्रसार में कहीं न कहीं राहत भी नजर आई।लेकिन खमरिया मे दूसरी लहर के कम होते ही प्रबंधन ने पंचिंग हाजिरी के आदेश जारी कर दिए हैं।जबकि डी ओ पी टी ने ऐसी कोई अनिवार्यता न दिखाते हुएयह विभाग प्रमुख पर छोड़ दिया है।नेताओं ने कहा है कि दूसरी लहर मे हमने अपने कई साथियों को खो दिया है।सैकड़ों कर्मचारी और परिजन इससे प्रभावित और अभी भी है।सभी जानते हैं कि कोरोना जानलेवा बीमारी है फिर खमरिया प्रबंधन को इतनी क्या जल्दी है।हाजिरी मे छूट से न कोई अव्यवस्था हुई न उत्पादन में कोई अवरोध पैदा हुआ।अन्य निर्माणियों मे आज भी फिजिकल हाजिरी से विधिवत काम चल रहा है।लिहाजा इस आदेश को वापिस लिया जाए।संघर्ष समिति ने इसकी प्रति सचिव रक्षा मंत्रालय सचिव रक्षा उत्पादन विभाग आयुध निर्माणी बोर्ड और अपर सचिव डी ओ पी टी को भी प्रेषित की है।

हॉलमार्क कानून लागू

व्यापारियों को भी फायदा

जबलपुर,यशभारत(जबलपुरसहित प्रदेश के आठ जिलों में हॉलमार्क कानून लागू हो गया है। मप्र सराफा एसोसिएशन का कहना है कि हमने सरकार को कुछ सुझाव दिए थे, जिसके बाद हॉलमार्क में शामिल कैरेट्स की श्रेणी भी 3 से बढ़ाकर 6 कर दी गई है। एसोसिएशन के मुताबिक, पहले केंद्र सरकार ने तीन श्रेणी 14, 18 और 22 कैरेट के सोने में ही हॉलमार्क का प्रावधान किया था। हमारे सुझाव के बाद 20, 21 से लेकर 24 कैरेट सोने की श्रेणी को भी जोड़ा गया। गौरतलब है कि प्रदेश में 16 जून से जबलपुर के अलावा इंदौर भोपाल, ग्वालियर, रीवा, सतना, देवास और रतलाम में हॉलमार्क कानून लागू किया गया है, क्योंकि अभी यहीं पर हॉलमार्क सेंटर मौजूद हैं।

फायदा

ग्राहक ठगा नहीं सकेगा। खरीदा जाने वाला हॉलमार्क सोना उतने ही कैरेट का होगा, जितने का ग्राहक ने पैसे दिए हैं।

ग्राहक हॉलमार्क वाली ज्वेलरी खरीदने के बाद उन्हें बेचने जाएगा तो सिर्फ लेबर चार्ज ही काटा जाएगा।

ग्राहकों को बाजार का डिफरेंस पता चलेगा कौन व्यापारी ज्यादा लेबर चार्ज ले रहा, क्योंकि हॉलमार्क ज्वेलरी में सोने का भाव सभी व्यापारियों के पास एक जैसा रहेगा।

नुकसान

व्यापारियों को बिना हॉलमार्क वाला सोना ढाई महीने के अंदर ही बेचना या गलाना होगा।

ग्राहकों को बिना हॉलमार्क वाला सोना गलाने के दाम में बेचना होगा, नुकसान होगा।

सोने पर हॉलमार्क का खर्च ग्राहक को उठाना पड़ेगा।

कानून अच्छा, लेकिन एस यूआईडी कोड अभी लागू नहीं करना था हम हॉलमार्क के विरोध में नहीं हैं। लेकिन सरकार को इसे थोड़ा रुक कर लागू करना था। हॉलमार्क को लेकर अभी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार नहीं है। इसे तैयार होने में ढाई महीने लगेंगे। अभी हॉलमार्क के साथ जो एस यूआईडी कोड लागू किया गया है। इसे फिलहाल लागू नहीं किया जाना चाहिए। -

**राजा सराफ ,कार्यकारी अध्यक्ष ,
मप्र सराफा एसोसिएशन**

झंडा सत्याग्रह के उपलक्ष्य में होगा वीडियों और चित्रकला

प्रतियोगिता हेतु प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि आज

जबलपुर। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा शुक्रवार 18 जून को सेठ गोविंददास जिला चिकित्सालय के समीप स्थित टाउन हॉल में झंडा सत्याग्रह की स्मृतियों का उत्सव मनाया जायेगा। झंडा सत्याग्रह ध्वज सत्याग्रह भारत के स्वंतत्रता संग्राम के समय का एक शांतिपूर्ण नागरिक अवज्ञा आंदोलन था, जिसकी शुरूआत संस्कारधानी जबलपुर से हुई थी।

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में झंडा सत्याग्रह वीडियों एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी शासकीय व अशासकीय स्कूलों के कक्षा 9 वीं से कक्षा 12 वीं तक के छात्र और छात्रायें भाग ले सकेंगे। जो विद्यार्थी वीडियों प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते, वे चित्रकला में भाग ले सकेंगे। झंडा सत्याग्रह वीडियों प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का कम से कम एक मिनिट, अधिकतम 1.30 मिनिट का हिन्दी या अंग्रेजी में अपना परिचय देते हुये जिसके अंतर्गत अपना नाम, स्कूल का नाम, कक्षा का उल्लेख करते हुये, स्कूल यूनिफार्म में वीडियों तैयार कर वॉट्सअप नम्बर 98263 74217 में भेजना है। झंडा सत्याग्रह चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को एक चित्रकला पेंटिंग बनानी होगी। पेंटिंग के साथ-साथ स्कूल ड्रेस में अपना फोटो, नाम, उम्र, स्कूल का नाम एवं कक्षा का उल्लेख कर व्हाट्सअप करना होगा। इन दोनों प्रतियोगिताओं की अंतिम तिथि 17 जून को दोपहर 4 बजे तक निर्धारित की गई है। इस झंडा सत्याग्रह वीडियों एवं चित्रकला प्रतियोगिता के लिये निर्णायक मंडल द्वारा श्रेष्ठ प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान के लिये तीन वीडियों को चयनित किया जायेगा तथा इसे जेटीपीसी के फेसबुक के माध्यम से प्रसारित किया जायेगा एवं विजेता प्रथम, द्वितीय, तृतीय विद्यार्थियों को 18 जून को टाउन हॉल, में मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित भी किया जायेगा।

12वीं का रिजल्ट तैयार करने में आ रही मुश्किलें

जबलपुर। सवा लाख छात्रों के जरिए रिजल्ट सीट पर नहीं चढ़े ग्यारहवीं के नंबर जो अब 12वीं का परीक्षा परिणाम तैयार करने में परेशानी का सबब बन गया है मध्य प्रदेश में कोरोना के चलते कक्षा 12वीं की परीक्षाएं आयोजित नहीं की गई । स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा 12वीं के रिजल्ट के लिए कक्षा दसवीं विज्ञान के नंबर और कक्षा बारहवीं माई परीक्षाओं के नंबरों के आधार पर रिजल्ट तैयार करने को लेकर मंत्री समूह की कमेटी गठित की है । पर अब कमेटी के सामने जो परेशानी है उसमें प्रदेशभर के सवा लाख स्टूडेंट के कक्षा ग्यारहवीं के नंबर रिजल्ट शीट में प्रदेश में निजी स्कूलों की संख्या 5630 के आसपास थी स्टूडेंट की संख्या 1 लाख 7645 थी । इनमें से ज्यादातर के नंबर रिजल्ट सीट पर ही अंकित नहीं है। पिछले साल भी 11वीं की परीक्षाएं आयोजित नहीं की गई थी छात्र छात्राओं को जनरल प्रमोशन दिया गया था । निजी स्कूलों ने कक्षा ग्यारहवीं के रिजल्ट में वार्षिक परीक्षा के कॉलम में अंकित किया है इसीलिए ज्यादातर स्कूलों में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों को प्रमोशन देकर मार्कसीट पर कोरोना की सील लगा दी गई थी। अब मंत्री समूह के सामने अब दूसरे फार्मूले से रिजल्ट तैयार करने में दिक्कतें आ रही हैं वही इस फार्मूले पर विचार कर रहा है हालांकि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छात्र छात्राओं से कहा कि जो भी स्टूडेंट परीक्षा देना चाहते हैं वह सामान्य हालत होने पर आयोजित की जाने वाली कक्षा 12वीं की परीक्षा में भाग ले सकते हैं

ग्वारीघाट के नावघाट पर मॉक ड्रिल

निगमायुक्त के मार्गदर्शन में बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने नगर निगम की व्यापक तैयारियाँ

जबलपुर। मानसून के दौरान यदि बाढ़ एवं जलप्लावन जैसी कोई स्थिति बनती है, तो उससे निपटने के लिए नगर निगम ने निगमायुक्त संदीप जी.आर. के मार्गदर्शन में व्यापक तैयारियाँ की है। तैयारियों के संबंध में आज ग्वारीघाट के नावघाट पर मॉक ड्रिल निगमायुक्त सं दीप जी.आर. के निर्देशानुसार तथा नगर निगम के अपर आयुक्त परमेश जलोटे, कार्यपालन यंत्री एवं संभागीय अधिकारी शैलेन्द्र मिश्रा तथा फायर अधीक्षक कुशाग्र ठाकुर की उपस्थिति में आपदा प्रबंधन टीम के सदस्यों द्वारा मॉक ड्रिल की गयी। इस मौके पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण भी मौजूद रहे। मॉक ड्रिल के संबंध में संभागीय अधिकारी शैलेन्द्र मिश्रा ने बताया कि प्राकृतिक आपदाओं बाढ़ एवं जलप्लावन के दौरान यदि कोई व्यक्ति डूबता है तो उसे कैसे बचाया जा सके के संबंध में मॉक ड्रिल की गई और डूबते हुए लोगों को होमगार्ड एवं गोताखोरों की टीम द्वारा बचाया गया। वहीं बाढ़ में फंसे एक परिवार के 4 सदस्यों को भी घर से सुरक्षित निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। ऐसा प्रेक्टिकल रूप से भी दिखाया गया। इसके अलावा समीपी क्षेत्र के सभी व्यापारियों को भी अलर्ट करने तथा उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से बचाने संबंधी मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान प्राकृतिक आपदा प्रबंधन के लिए गठित टीम के सभी सदस्यों ने साहसिक भरा काम किया जो मॉक ड्रिल में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। इस मौके पर प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए टीम गठित की जा चुकी है। आज उक्त टीम मॉक ड्रिल के समय उपस्थित होकर सभी ने अपना साहस और पराक्रम दिखाया और लोगों को इस आपदा से कैसे बचाया जा सके वो करके भी दिखाया।

*आपदा प्रबंधन के लिए अलग-अलग टीमें

निगमायुक्त संदीप जी.आर. ने बताया कि जलप्लावन एवं बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए मुख्यालय के साथ-साथ सभी 16 संभागों में टीमें तैयार रहेंगी जिसके अंतर्गत मुख्यालय के फायर ऑफिस में मशीनरी संशाधनों के साथ-साथ तीन शिफ्टों में 24 घंटे अलग अलग टीमें तैयार रहेगीं वहीं 16 संभागों में भी संभाग स्तर पर तीन शिफ्टों में 24 घंटे प्राकृतिक आपदा से निपटने और लोगों को राहत पहुँचाने के लिए टीमें तैनात रहेंगी। इसके लिए निगमायुक्त श्री संदीप जी.आर. ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं और सभी को 24 घंटे अलर्ट रहने के निर्देश भी दिये हैं। आज मार्क ड्रिल के मौके पर थाना प्रभारी ग्वारीघाट विजय सिंह परस्ते, गोताखोर किसन मल्लाह, होमगार्ड से पुष्पेंद्र कुमार एवं उनकी टीम के साथ साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

ब्लैक फंगस का इलाज का हब बना मेडिकल अस्पताल

11 घंटे में 11 सफल ऑपरेशन कर बनाया रिकॉर्ड

जबलपुर। कोरोना संक्रमण के बाद तेजी से फैली ब्लैक फंगस बीमारी के इलाज के लिए जबलपुर का नेताजी सुभाष चंद्र मेडिकल कॉलेज अस्पताल अब हब बन गया है । यहां के जूनियर डॉक्टर हड़ताल से ऑपरेशन प्रभावित थे । हड़ताल समाप्त होने के बाद अस्पताल के मरीजों के इलाज में फिर गति पकड़ ली है । खासतौर से ब्लैक फंगस के इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल अस्पताल पूरे देश में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल ब्लैक फंगस के मरीजों के उपचार में लगी न्यूरो विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मिलकर एक नया रिकॉर्ड बना लिया है । दोनों ही विभागों के चिकित्सकों की टीम ने 12 घंटे में ब्लैक फंगस के 11 मरीजों का ऑपरेशन किया यह सभी मरीज स्वस्थ हो रहे हैं जानकारी के मुताबिक नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में भर्ती किए गए ब्लैक के मरीजों में अब तक 111 की सर्जरी की जा चुकी है इसके अलावा मेडिकल कॉलेज में अब तक 250 से ज्यादा मरीजों की एंडोस्कोपी की गई से ज्यादा मरीज पूरी तरह से स्वस्थ होकर घर लौट गए हैं।

मनमोहन नगर में बना ब्लैक फंगस मरीजों के लिए केयर सेंटर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं विश्व फाउंडेशन दे रहा सेवाएं

जबलपुर। मनमोहन नगर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं विश्व फाउंडेशन के सहयोग से पोस्ट कोविड-19 के लिए ब्लैक फंगस सेंटर का शुभारंभ किया गया है। जिसमें मरीजों के लिए मेडिकल व पैरामेडिकल स्टाफ की व्यवस्था की गई है। ऐसे मरीज ने ब्लैक फंगस की शल्य चिकित्सा के उपरांत स्थिर मरीजों को पोस्ट ऑपरेटिव केयर हेतु 20 बिस्तरों की व्यवस्था की गई है तथा उनकी स्क्रीनिंग एंडोस्कोपी द्वारा की जा रही है। 24 घंटे मिल रही इस सुविधा का लाभ मरीजों को मिलेगा इस सेंटर में चिकित्सा अधिकारी व पैरामेडिकल स्टाफ के अलावा एक कार्डियोलॉजिस्ट, एक पाल्मर लॉजिस्टिक, एक फिजियोथैरेपिस्ट की ऑन कॉल व्यवस्था की गई है।

मानसून ठिठका, उमस हावी

जबलपुर, यशभारत। जिले में मानसून इस बार 11 जून को आया है। इसके बाद से लगातार रुक-रुक कर पानी गिरा है। मंगलवार व बुधवार की दरमियानी रात मानसून सक्रिय हुआ था और तेज बारिश का अनुमान भी था लेकिन बुधवार को दोपहर बाद से मानसूनी बादल लापता हो गए और उमस हावी हो गई। मौसम विभाग की माने तो मानसून उत्तर प्रदेश में जाकर ठिठक गया है जिससे बारिश थम गई है। पिछले 24 घंटों में कुल 0. 7 मिलीमीटर बारिश ही हुई । 1 जून से अब तक 69.4 मिलीमीटर बारिश हो चुकी हे जबकि गत वर्ष आज के दिन सुबह तक 45.6 मिलीमीटर बारिश हुई थी। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में फिलहाल कोई सिस्टम नहीं बन रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अभी फिलहाल तेज बारिश होने की संभावना नहीं है। बारिश लोकल बादलों के कारण जरूर थोड़ी हो सकती है। अब 23 जून के बाद ही तेज बारिश होगी। नया सिस्टम बंगाल की खाड़ी में बन रहा है। इस कारण करीब एक सप्ताह तक तेज बारिश की संभावना नहीं है। इस बीच लोकल बादलों के कारण जरूर कहीं-कहीं पानी गिर सकता है। जून के दो सप्ताह गुजरने के बावजूद राहत मिलती दिखाई दे रही थी । पर मानसून के फिर गायब होने के कारण जून में भी मई जैसी तपन महसूस हो रही है। सुबह की शुरुआत सुकून देने वाली होती है लेकिन दोपहर से धूप के तेवर फिर तीखे हो जाते हैं। शाम ढलने के बाद भी गर्म हवा चल रही है। मध्य रात्रि के बाद राहत मिल रही है। आसमान साफ रहने और बारिश नहीं होने से भी तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। प्री-मानसून गतिविधियां मई के पहले सप्ताह में ही शुरू हो गई थी। ऐसे में कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार मानसून जल्दी दस्तक देगा आया भी चार दिन पहले पर कुछ राहत देने के बाद फिर ठिठक गया। बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 6 डिसे कम 30.7 और आज का न्यूनतम तापमान 25.2 था। सुबह की आद्रता 74 प्रतिशत रही।

जिले में एक जून से अब तक 87 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

जिले में इस साल एक जून से आज बुधवार 16 जून तक 87 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि पिछले वर्ष इस अवधि के दौरान 13.3 मिली मीटर औसत बारिश दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इस साल आलोच्य अवधि तक जबलपुर तहसील के वर्षामापी केन्द्र बरगी में 111.6 मिलीमीटर, बरेला वर्षामापी केन्द्र में 76.8 मिलीमीटर, पनागर वर्षामापी केन्द्र में 125.7 मिलीमीटर, कुण्डम वर्षामापी केन्द्र में 176.5 मिलीमीटर, पाटन में 41.3 मिलीमीटर, शहपुरा वर्षामापी केन्द्र में 33.3 मिलीमीटर, सिहोरा में 98.6 मिलीमीटर, मझौली वर्षामापी केन्द्र में 50.2 मिलीमीटर और अधारताल में 68.7 मिलीमीटर वास्तविक वर्षा हुई।

उड़ान वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा कुलियों को राशन वितरण

जबलपुर। उड़ान वेलफेयर फाउंडेशन एक सामाजिक संस्था है जिसके द्वारा समाज सेवा के कार्य निरंतर किए जाते हैं इसी कड़ी में उड़ान वेलफेयर फाउंडेशन के द्वारा कुली को राशन वितरण किया गया साथ ही वहां उपस्थित सफाई कर्मियों को भी 1 महीने का राशन किट बना कर दिया गया जिसमें 5 किलो आटा 5 किलो चावल 2 किलो दाल नमक निरमा साबुन तेल बिस्किट नमकीन आदि सामग्री वितरित की गई संस्था की अध्यक्ष प्रीति गुप्ता का मानना है कि इस और अभी किसी का ध्यान नहीं गया और यह कार्य करने का मकसद था कि लोग कुलियों की मदद करें जैसा की ट्रेनें कम चल रही हैं और लोगों के पास इतना सामान नहीं होता कि कुली की जरूरत पड़े जिस वजह से उनके जीवन यापन में बहुत कठिनाई आ रही है इसको देखते हुए फाउंडेशन के द्वारा एक छोटा सा प्रयास किया गया इसकार्यक्रम में संजय विश्वास मंडल रेल प्रबंधक, विश्वरंजन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सुनील श्रीवास्तव, टी पी एस भल्ला ,टी आर सनोडिया ,उमेश कटारे,शैलेंद्र मेहता , प्रवीण गुप्ता,पीयूष गुप्ता, रितेश गुप्ता,देवेंद्र जैन,अशोक तिवारी श्रीमती अमि खरे,श्रीमती संगीता बुंदेला सुनीता मिश्रा , मिनी ठाकुर,संजू चौहान ,सर्वेश मिश्रा,अर्चना गुप्ता आदि सभी का सहयोग प्राप्त हुआ ।

पाटन-मझौली स्वास्थ्य केन्द्र को एंबुलेंस की सौगात

पूर्व विधायक की मांग पर राज्यसभा सांसद तनखा ने दी इको एसी एंबुलेंस

जबलपुर। पूर्व विधायक नीलेश अवस्थी की माँग पर राज्यसभा सांसद विवेककृष्ण तनखा पाटन विधानसभा के पाटन स्वास्थ्य केंद्र एवं मझौली स्वास्थ्य केंद्र के लिए 5-5 लाख की लागत वाली दो इको एसी एंबुलेंस क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य लाभ हेतु सांसद निधि से स्वीकृत की हैं। पूर्व विधायक ने बताया कि एम्बुलेंस की सौगात मिलने पर राज्यसभा सांसद श्री तनखा का सभी क्षेत्रवासियों और कांग्रेसजनों ने हृदय से आभार जताया है।

घर में सो रही महिला से दुराचार का प्रयास

घटना के बाद गुजरात भाग गया युवक

जबलपुर। कुंडम थाना अंतर्गत एक गांव में देर रात अपने घर में सो रही महिला के साथ अश्लीलता करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मनचले युवक ने जब गलत हरकतें करने की कोशिश की तो महिला ने साहस कर उसे लताड़ लगाई। जिसके बाद वह फरार हो गया। पीड़िता ने अपने पति के साथ थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की है। बताया जाता है कि घटना को अंजाम देकर युवक गुजरात भाग गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर, सरगर्मी से उसकी तलाश शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि कुंडम एक गांव में 30 वर्षीय महिला का पति कहीं पर काम करता है वह बीती रात वह अपने घर के अंदर एक कमरे में सो रही थी और उसका देवर दूसरे कमरे में सो रहा था। तभी रात को गांव का सुखदेवा कुन्जाम पिता हीरालाल कुन्जाम बुरी नियत से घर पहुंचा जहां पर उसने महिला के मुंह को कपड़े से बांधने का प्रयास कर उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। महिला ने अपने बचाव के लिए युवक को जमकर लताड़ा और जोर-जोर से आवाज लगाई। जिससे दूसरे कमरे में सो रहा उसका देवर बाहर आया जिसने भाभी से कारण पूछा उसने अपने साथ हुई पूरी घटना बताते हुए रात ही में पति को भी पूरी घटना से अवगत कराया और सुबह पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि युवक गुजरात में कहीं पर काम करता है।

एक्टिवा से ढुल रही थी शराब

60 लीटर शराब के साथ, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर यश भारत। बीती रात बरगी थाना क्षेत्र पुलिस ने एक शराब तस्कर को उस समय दबोच लिया जब वह एक्टिवा वाहन में शराब लेकर बेचने के लिए ग्वारीघाट जा रहा था। पुलिस ने शराब एवं वाहन को जप्त की।

बरगी थाने के एसआई कुलदीप पटेल ने बताया कि पोलीपाथर ग्वारीघाट निवासी 22 वर्षीय अमर केवट पिता हरछठ केवट काफी दिनों से क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेचने का कार्य करता था किंतु इसके विरुद्ध कोई पुख्ता सबूत नहीं मिलते थे जिसके कारण वह इस कार्य को बखूबी कर रहा था किंतु बीती रात मुखबिर खास से उक्त शराब तस्कर की पुख्ता जानकारी मिलते ही पुलिस टीम रात को सनत पिपरिया गांव के पास जाकर उसके आने का इंतजार कर रही थी कुछ देर के बाद वह जैसे ही पुलिस टीम के सामने से निकल रहा था उसे घेराबंदी कर दबोच लिया गया जिसके कब्जे से 6 हजार रुपए की 60 लीटर कच्ची शराब एवं वाहन जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया पुलिस ने उसके विरुद्ध अग्रिम कार्यवाही की गई।

विक्टोरिया आरएमओ को हटाया

जबलपुर। विक्टोरिया जिला अस्पताल के आरएमओ संजय जैन को हटा दिया गया है। सीएमएचओ रत्नेश कुरारिया ने बताया कि एक शिकायत के आधार पर आरएमओ संजय जैन को हटाकर डॉ. पंकज ग्रोवर को आरएमओ का प्रभार सौंपा गया है।

कलेक्टर साहब ने मेरा जीवन बचाया

हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होते ही फूल माला लेकर मिलने आया मरीज और उसका परिवार

जबलपुर। एक माह पूर्व मझौली से निजी वाहन पर मरीज को लेकर उसका परिवार कलेक्ट्रेट आया और कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा से मिला मरीज के शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा 26 प्रतिशत होने के कारण बहुत ही नाजुक हालत को देखते हुए डिप्टी कलेक्टर सुश्री सृष्टि प्रजापति को बुलाकर मेडिकल इलाज के लिए भेजने और प्रतिदिन मरीज का अपडेट लेने का निर्देश दिया जिस पर तत्परता कार्रवाई करते हुए डिप्टी कलेक्टर सुश्री सृष्टि प्रजापति ने कंट्रोल रूम में पदस्थ विकास चौदहा, अनिल मरावी उमेश यादव और दीपक अहिरवार को मरीज के साथ मेडिकल भेजा और मरीज की हालत देखते हुए डीन प्रदीप कसार ने भर्ती करते हुए इलाज शुरू किया जिसका परिणाम एक माह में पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर आज मेडिकल ने सुबह डिस्चार्ज होते ही मझौली जाने के पूर्व मुकेश चक्रवर्ती परिवार सहित फूल माला लेकर कलेक्ट्रेट आया और डिप्टी कलेक्टर सृष्टि प्रजापति और स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि कलेक्टर साहब ने मेरा जीवन बचाया मैं उनका जीवन आभारी रहूंगा

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की विद्या बालन स्टारर फिल्म शेरनी के साथ भागीदारी

शेरनी का वर्ल्ड प्रीमियर कल अमेज़न प्राइम वीडियो पर

जबलपुर। मध्यप्रदेश टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने आगामी और बहुप्रतीक्षित फिल्म, अभिनेत्री विद्या बालन स्टारर च्शेरनीज के निर्माताओं- टी-सीरीज़ और अबूदंतिया इंटरटेनमेंट के साथ मार्केटिंग साझेदारी की है। प्रमुख सचिव, पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि फिल्म शेरनी को मध्यप्रदेश के वास्तविक और मनोहारी जंगलों, कान्हा नेशनल पार्क, रायसेन के भूत पलासी और बालाघाट के आसपास के क्षेत्रों में शूट किया गया है। फिल्म च्शेरनीज का वर्ल्ड प्रीमियर 18 जून को 240 से अधिक देशों में अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज होगा। प्रदेश की नैसर्गिक सुंदरता से पर्यटकों को रू-ब-रू कराने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड, शेरनी फिल्म के निर्माताओं के साथ सिंबायोटिक मार्केटिंग और प्रमोशन कैंपेन में भागीदारी कर रहा है। सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया में हैशटैग श्ख्क्ष्द्धद्दस्ड्ढद्दह्लठ्ठद्ध के साथ फिल्म का प्रमोशन किया जा रहा है। श्री शुक्ला ने बताया कि जब से हमने पहली बार च्शेरनीज की कहानी सुनी थी, तब से हम जानते थे कि यह मध्यप्रदेश के जंगलों की सुंदरता और विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का उपयुक्त वाहक होगा। वन संरक्षण और पर्यटकों को रोमांचक वन्यजीव पर्यटन का अनुभव कराने के लिए वन विभाग का भी पूरा सहयोग मिला है। श्री शुक्ला ने कहा कि यह खुशी की बात है कि फिल्म च्शेरनीज अब न केवल हमारे राज्य की सुंदरता को दुनिया के सामने लाएगी, बल्कि वेलनेस टूरिज्म,

आदिवासी कला और संस्कृति, हस्तशिल्प और मध्यप्रदेश की विभिन्न अनूठी पहलों की ओर भी ध्यान आकर्षित करेगी। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड प्रतिभाशाली अभिनेत्री विद्या बालन और फिल्मकार श्री अमित मसुरकर, टी-सीरीज़ और अबुदंतिया एंटरटेनमेंट जैसे के साथ साझेदारी करके उत्साहित है। फिल्म निर्माण में सहयोग देने वाले सहायक वन संरक्षक रजनीश के सिंह ने कहा कि यह साधारण बात नहीं हैं कि हमें शेरनी जैसी कहानियों का हिस्सा बनने का मौका मिला है, जो पर्यावरण एवं विकास और मानव-पशु संघर्ष प्रबंधन के बीच संतुलन बनाए रखने जैसे मुद्दों पर चर्चा करती है और उसे समाज के सामने लाती हैं। हमें गर्व है कि हमारे विभाग द्वारा प्रतिदिन किया जाने वाला अद्भुत कार्य अब दुनिया देखने वाली है। हमें दुनिया को हमारे अद्भुत जंगलों और फिल्मकारों द्वारा पेश किए जाने वाले अनुभवों को देखने का इंतजार रहेगा।

मेडिकल, पैरामेडिकल और नर्सिंग सत्र जुलाई से

प्रवेशित छात्र-छात्राओं को दिया जायेगा कोविड प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण

जबलपुर। चिकित्सा शिक्षा, भोपाल गैस त्रासदी, राहत एवं पुनर्वास मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मेडिकल, पैरामेडिकल और नर्सिंग कक्षाएँ जुलाई से शुरू करने के निर्देश दिये हैं। श्री सारंग ने कहा कि विद्यार्थियों का प्रवेश के समय अनिवार्य रूप से टीकाकरण सुनिश्चित करें। श्री सारंग ने कोरोना की संभावित तीसरी लहर के मद्देनजर तीनों ही विधाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को पहले हफ्ते कोरोना प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिये। श्री सारंग ने यह निर्देश आज मंत्रालय में चिकित्सा शिक्षा और भोपाल गैस त्रासदी, राहत एवं पुनर्वास विभागों की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए दिए। मंत्री श्री सारंग ने मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय को सभी परीक्षाएँ और परीक्षा परिणाम समय-सीमा में घोषित करने के लिये कहा। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के कारण लंबित बेकलॉग का जल्द से जल्द निपटारा करें। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक गतिविधियों में अकारण विलंब को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। प्रदेश के 36 मेडिकल और डेंटल निजी एवं शासकीय कॉलेजों में विद्यार्थियों की संख्या 16 हजार 500, नर्सिंग के 1,420 कॉलेज में 59 हजार 900 और पैरामेडिकल के 172 कॉलेज में 12 हजार 600 है। अभी ऑनलाइन संचालित की जा रही कक्षाएँ जुलाई से ऑफलाइन हो जायेंगी। कोरोना महामारी के कारण मानसिक रूप से प्रभावित छात्र-छात्राओं को मनो-चिकित्सक की सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जायेंगी।

प्रदेश स्तरीय नि:शुल्क ऑनलाइन मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग का उद्घाटन एवं पोस्टर रिलीज

काउंसिलिंग से होगा मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान:रोहाणी

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन, जबलपुर संभाग द्वारा प्रारंभ प्रदेश स्तरीय नि:शुल्क ऑनलाइन मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग का उद्घाटन मुख्यअतिथि अशोक रोहाणी, विधायक, केण्ट, जबलपुर ने किया। इस अवसर पर श्री रोहाणी ने नि:शुल्क काउंसिलिंग का पोस्टर रिलीज करते हुये ने कहा कि सर्वविदित है कि कोरोना महामारी ने जितना शारीरिक स्तर पर जनमानस को नुकसान पहुँचाया है उससे अधिक नुकसान व्यक्तियों को मानसिक स्तर पर भी हुआ है। ऐसे में यह आवष्यक है कि व्यक्ति की भावनात्मक समस्याओं को समझ कर उनका निराकरण किया जाय। इस दिषा में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग द्वारा नोवल ब्टप्क्.19 (कोरोना वायरस) से जनित मनोवैज्ञानिक समस्याओं के निराकरण हेतु प्रदेष स्तरीय नि:शुल्क ऑनलाइन मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग प्रारंभ की जा रही है जो की प्रदेष स्तर पर सराहनीय पहल है।डॉ. लीला भलावी, अतिरिक्त संचालक, उच्च षिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग, जबलपुर ने कहा कि विगत् वर्ष की भांति जबलपुर संभाग द्वारा इस वर्ष से पूरे प्रदेष के लिए पहली बार मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग प्रारंभ की जा रही है।

लिपिकों एवं भृत्यों के अभाव में जूझ रहा शिक्षा विभाग

अनुकम्पा नियुक्ति से भरे जाएं लिपिकों एवं भृत्यों के पद

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि शिक्षा विभाग में लिपिकों एवं भृत्यों के सैंकड़ों पद खाली है और इनकी कमी की वजह से संकुलों में परेषानियों का सामना करना पड़ता है फिर भी विभाग द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति के माध्यम से न ही लिपिकों की और न ही भृत्यों की नियुक्ति की जा रही है परिणाम स्वरूप इनके कार्यों को शिक्षकों के द्वारा किया जाता है जिससे शिक्षकों का शैंक्षणिक कार्य प्रभावित होता है। यही कारण है कि सभी संकुलों के प्राचार्य लिपिकों एवं भृत्यों के अभाव में अपने सभी कार्य समय पर नहीं कर पाते वहीं कई माध्यमिक शालाओं में भृत्य नहीं होने की वजह से सभी साफ -सफाई और डाक लाने ले जाने के कार्य षिक्षकों द्वारा किये जाते हैं जिससे अध्यापन कार्यो पर प्रभाव पड़ता है। वहीं दूसरी और देखा जाए तो इनके सैंकड़ों पद विभाग में खाली पड़े हैं जिन्हे अनुकम्पा नियुक्ति के माध्यम से भरा जा सकता है परंतु विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है जिससे प्राचार्यों एवं शिक्षकों में रोष व्याप्त है। संघ ने आगे बताया कि शासकीय शालाओं में सैंकड़ो पद भृत्य के खाली पड़े हुए है वहीं अनुकम्पा नियुक्ति के लिए मृत कर्मचारियों के आश्रित दफ्तरो के चक्कर काटने मजबूर हैं देखा जाए तो इन पदों को अनुकम्पा नियुक्ति के माध्यम से भरा जा सकता है जिससे शिक्षा विभाग की एक बहुत बड़ी समस्या का हल निकल जाएगा। परंतु देखा जा रहा है कि षिक्षा विभाग में अनुकम्पा नियुक्ति पाने लोग सिर्फ षिक्षक बनना चाहते है जिसमे अनेक नियमों के तहत डी.एड एव बी.एड की डिग्री नहीं होने से वे प्राथमिक और माध्यमिक षिक्षक बनने के पात्र नहीं हो पाते और न ही उन्हे विभाग द्वारा लिपिक और भृत्य के पदों में नियुक्ति पाने हेतु प्रेरित किया जाता है फ्ल स्वरूप यह पद खाली ही पड़े हैं और परिणाम स्वरूप लिपिकों एवं भृत्यों के अभाव में षिक्षा विभाग जूझ रहा है और इनसे संबधित कार्य पैंडिग पड़े हुए है। संघ के प्रांताध्यक्ष उदित भदौरिया, दिनेष गौंड़, स्टेनली नॉबर्ट, हेमंत ठाकरे, राकेष श्रीवास, आशाराम झारिया,विनोद सिंह, एनोस विक्टर, अरूण जैन, गुडविन चार्ल्स, शैलेष पंडिया, आदि ने विभाग प्रमुखों से मांग की है।

अज्ञात मृतक की पहचान

अज्ञात मृतक जो कि दिनांक 29 जनवरी 2021 को मदन महल रेलवे स्टेशन प्लेटफर्म नंबर 3 की बाउंड्री के पास मृत अवस्था में मिला है उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष जो कि सफेद नीले जैकेट पहने हुए था जिसका होलिया चेहरा गोल रंग गोरा दाढ़ी बढ़ी हुई गले में सफेद रंग की माला जिसकी आज दिनांक तक पहचान नहीं हो पाई है मदन महल थाने में मर्ग कायम है जिस किसी भी व्यक्ति को इस अज्ञात मृतक व्यक्ति के बारे में कोई भी जानकारी लगी कृपया कर थाना मदन महल जबलपुर में संपर्क करें।

आम सूचना

1. आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार नरेन्द्र केवट आत्मज स्व. बाबूलाल केवट वर्तमान निवास आईडियल पब्लिक स्कूल सहजपुर तह. शहपुरा जिला जबलपुर के पते पर निवासरत है जिसमें कि मेरे पक्षकार के पिता श्री बाबूलाल केवट आत्मज श्री झुल्लर सिंह केवट निवासी नया बाजार गौरादेवी वार्ड गोटेगांव तह. गोटेगांव जिला नरसिंहपुर जो कि मप्र विद्युत बोर्ड ग्राम श्रीनगर तह. गोटेगांव में सुरक्षा गार्ड के पद पर पदस्त होकर रिटायर हो गये थे उनका अचानक निधन दिनांक 06.05.2021 को हो गया है मेरी सगी मां रामवती बाई उनकी प्रथम विवाहिता पत्नि है जिसमें हम दो भाई मैं एवं महेन्द्र है। तत्पश्चात उन्होंने मेरी मां रामवती बाई से बगैर तलाक लिये श्रीमति बेटीबाई केवट नाम की महिला को अपनी दास्ता बतौर रख लिया था जिससे उन्हें चार बेटियां एवं एक बेटा पैदा हुआ है। 2. यह कि मेरे पिता बेटी बाई के साथ गोटेगांव में रहते थे और रिटायर होने के बाद अपनी दास्ता पत्नि श्रीमति बेटी बाई एवं स्वयं के नाम पर शामिलाती भूमि ग्राम कमती प.ह.नं. 15 रा.नि.मं. गोटेगांव जिला नरसिंहपुर में भूअधिकार एवं ऋण पुस्तिका भाग क्रं. 01 एम. 131 249 भूमि का विस्तृत ब्यौरा जिसमें ख.नं. 15 कुल रकवा 1.287 हे. भूमि क्रय कर शामिल खरीदी है जिसमें बेटी बाई एवं मेरे पिता के नाम खरीदी गई है इस तरह मेरे पक्षकार के पिता की मृत्यु के पश्चात उनके हिस्से की भूमि हमारी मां श्रीमति रामवती बाई एवं हम दोनों भाई नरेन्द्र, महेन्द्र का भी वैधानिक हक है जिसमें कि वर्तमान ख.नं. 15/1 रकवा 1.03 हे. भूमि वर्तमान खाते में दर्ज है और इस भूमि में से रोड भी निकल गई है जिसका मुआवजा मेरे पक्षकार के पिता एवं दास्ता पत्नि को प्राप्त हुआ था उसको भी दास्ता पत्नि ने पूरा अपने पास रख लिया है और मेरे पक्षकार की मां श्रीमति रामवती बाई का हमारे पिता स्व. बाबूलाल केवट की प्रथम पत्नि को प्राप्त होने वाली मप्र विद्युत विभागीय पेंशन संपूर्ण रूप से प्राप्त करने का अधिकारी है। 3. यह कि ग्राम कमती तह. गोटेगांव जिला नरसिंहपुर के अंतर्गत आने वाली हमारे पक्षकार के पिता की संपत्ति जमीन व गोटेगांव में स्थित मकान बाबूलाल केवट के द्वारा क्रय किया गया था। अत: इस समस्त उपरोक्त जमीन एवं मकानों को मेरे मां एवं भाई की लिखित स्वीकृति और जानकारी के बगैर कोई भी व्यक्ति खरीदने व बेचने का सौदा ना करें। अन्यथा गैर कानूनी होगा और न्यायालय में तुरंत कार्यवाही की जावेगी जिसके हर्जाने व खर्चे का जिम्मेदार खरीदने व बेचने वाला स्वयं होगा।

स्थान- शहपुरा
दिनांक- 14/6/2021

भवदीय
के.एस. झारिया अधिवक्ता
निवासी शहपुरा वार्ड क्रं. 31 थाने के पीछे तह. शहपुरा, जिला- जबलपुर (मप्र)
मो. 9977331315

कार्यालय नगर निगम, (कालोनी सेल) जबलपुर

क्रमांक-कालोनी सेल/2020-21/54
दिनांक 15/6/2021

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा/ग्राम औरिया के नंबं 01 पहन 73 खसरा नं 408/1 कुल रकबा 8000 वर्ग मीटर भूमि पर विकासकर्ता/कालोनाईजर मेसर्स संेचुरी डेवलपर्स प्रोप्रा श्री संदेश जैन कालोनाईजर 69, शीतलपुरी उखरी रोड बल्देवबाग जबलपुर द्वारा आवासीय भूखण्डीय कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निष्पादित विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्यो के एवज में भूखंड क्रमांक 1 से 3= 3 नग, 16 से 18 = 3 नग, 29, 40 से 47 = 8 नग कुल 15 नग =1189.85 वर्ग मीटर नगर निगम जबलपुर में बंधक रखे गए हैं। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित संपत्ति/भूखंडों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पूर्व न किया जावे उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में नगर पालिक निगम जबलपुर कालोनी सेल कक्ष क्रमांक 5 में किया जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
कालोनी सेल
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय नगर निगम, (कालोनी सेल) जबलपुर

क्रमांक-कालोनी सेल/2020-21/56
दिनांक 15/6/2021

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा/ग्राम औरिया के नंबं 01 पहन 73 खसरा नं 401/3/2 कुल रकबा 4000 वर्ग मीटर भूमि पर विकासकर्ता/कालोनाईजर मेसर्स संेचुरी डेवलपर्स प्रोप्रा श्री संदेश जैन कालोनाईजर 69, शीतलपुरी उखरी रोड बल्देवबाग जबलपुर द्वारा आवासीय भूखण्डीय कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निष्पादित विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्यो के एवज में भूखंड क्रमांक 14 से 23कुल 10 नग=701.50 वर्ग मीटर, नगर निगम जबलपुर में बंधक रखे गए हैं। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित संपत्ति/भूखंडों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पूर्व न किया जावे उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अवलोकन कार्यालयीन कार्य दिवस में नगर पालिक निगम जबलपुर कालोनी सेल कक्ष क्रमांक 5 में किया जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
कालोनी सेल
नगर निगम, जबलपुर

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत (निर्माण) शाखा, खुली निविदा
निविदा क्र. जबल/एल सी/टी/2021/04

कार्यकारी विद्युत इंजी. (निर्माण) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी ठेकेदार से ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है, जिनके पास वैध A श्रेणी का विद्युत लाइसेंस जो कि किसी भी राज्य सरकार द्वारा जारी किया गया हो (अपने फर्म के नाम पर या अपने नाम पर यदि सोल प्रोपराइटर या किसी एक पार्टनर के नाम पर हो) निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएंगे। इस ठेका के विरुद्ध मैन्युअल ऑफर की अनुमति नहीं है ओर ऐसा प्राप्त मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा। **(1) निविदा सूचना क्रमांक:** जबल/एल सी/टी/2021/04 दिनांक 14.06.2021 **(2) कार्य का नाम लोकेशन सहित** : प.म.रे. जबलपुर मंडल के नई कटनी जंक्शन में स्टोर भवन, वेल्डिंग एवं लाइटिंग सुविधा पॉवर सप्लाई सहित, सतना में सिक वेगन शेड एवं रीवा में मेंटेनेंस शेड, स्टेब्लिंग लाइन, सर्विस भवन इत्यादि का विद्युतिकरण कार्य हेतु। **(3) निविदा का अनुमानित मूल्य** (कीमत रुपये में) ₹3,56,02,909/- **(4) निविदा फार्म की कीमत रूपये** : Nil **(5) कार्यालय का पता:** कार्यकारी विद्युत इंजीनियर (निर्माण) जबलपुर मुख्य परियोजना निदेशक कार्यालय, भूतल, म.प्र. पर्यटन भवन के सामने, जबलपुर 482001 **(6) बयाना राशि:** Nil **(7) समापन अवधि** : 9 माह **(8) निविदा जमा करने की तिथि एवं समय** : 07.07.2021 (15.00 बजे तक) **(9) निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** 07.07.2021 (15.30 बजे तक)। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे की वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा कार्य. विद्युत इंजी. (निर्माण) जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

कार्य. विद्युत इंजी. (निर्माण)
प.म.रे., जबलपुर

वैक्सीन अवश्य लगवाएं,
जीवन के हर सफर को सुरक्षित बनाएं!

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी जिला कटनी (म.प्र)

E-mail-deo.mpcdktn@mp.gov.in-ph 07622-231217

कटनी दिनांक 08.06.2021

विज्ञप्ति

सर्वधारण की जानकारी एवं मोटर आपरेटर्स की विशेष जानकारी के लिये यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि कटनी जिले में मदिरा के अवैध परिवहन में जप्तशुदा, राजसात किये गये वाहनों के नीलाम के लिये सीलबन्द निविदाएं जिला आबकारी अधिकारी, कार्यालय जिला कटनी पर आंमत्रित की जाती है। राजसात किये गये वाहन उनके नाम के सम्मुख दर्शाये स्थान पर अवलोकन हेतु उपलब्ध रहेंगे। निविदा की शर्ते एवं निविदा फार्म तथा अन्य जानकारी अवकाश के दिनों को छोड़कर अन्य किसी भी दिन कार्यालय में दिनांक 25.06.2021 को समय दोपहर 12 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी कटनी से प्राप्त की जा सकती है, अधिक जानकारी के लिये कार्यालय के दूरभाष नंबर 07622-231217 पर संपर्क किया जा सकता है।

इच्छुक व्यक्ति द्वारा निविदाएं दिनांक 25.06.2021 को समय दोपहर 2.00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी कटनी में जमा की जा सकती है। निर्धारित दिनांक/समय में प्राप्त निविदाएँ दिनांक 25.06.2021 को समय दोपहर 3.00 बजे आबकारी नियंत्रण कक्ष, कटनी में उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके वैद्य प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निर्धारित समय पश्चात प्राप्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। निविदादाताओं की अनुपस्थिति निविदा खोलने की प्रक्रिया में बाधक नहीं होगी। वाहनों का प्रकार एवं उनका आफसेट प्राईज निम्नानुसार है-

क्र.	स्थान का पता जहां वाहन खड़ा है	पुलिस / आबकारी वृत्त का अपराध क्र.	वाहन का प्रकार	वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर	निर्धारित ऑफसेट प्राईज
01	02	03	04	05	06
1	थाना कुठला	431/19	जायलो कार	MP04 TA 9227	110000
2	थाना बरही	87/2020	मारूति अल्टो	MP51CA0687	80000
3	थाना बहोरीबन्द	327/19	हिरो सुपर स्पलेण्डर	MP20MZ9290	8000
4	थाना बडवारा	235/2020	स्कूटी एक्टिवा	MP 54 MA 1968	19073
5	थाना बडवारा	163/2020	मोटर सायकल	MP21ME5857	17176
6	थाना बडवारा	108/2020	स्कूटी एक्टिवा	MP 21MM 6540	48100
7	थाना बडवारा	109/2020	मोटर सायकल	MP 21MK3117	30000
8	थाना बडवारा	268/2020	मोटर सायकल	MP54MC9422	48620
9	थाना बडवारा	294/2020	मोटर सायकल	MP 54 MN 3221	46800
10	थाना बडवारा	434/19	मोटर सायकल	MP21 MF 8421	33900
11	आबकारी मालखाना	पी-8, 565/ 02.02.20	होण्डा लीवो	MP 21 MN 9670	39500
12	आबकारी मालखाना	पी-8 267/14.09.19	लोहिया ऑटो	MP21R4254	105000
13	आबकारी मालखाना	पी-8 117/20.07.20	हिरोहोण्डा सीडी डीलक्स	MP21MA4058	11500
14	आबकारी मालखाना	पी-877/14.08.20	हिरोहोण्डास्प्लेण्डर प्लस	MP 21 MA 1374	12500
15	आबकारी मालखाना	पी-8 193/07.10.18	हिरोहोण्डास्प्लेण्डर प्लस	MP21 M4530	6500
16	आबकारी मालखाना	पी-8 146/12.08.20	होण्डा सीबी साईन	Chc ME4JC65DEKG019275	49800
17	थाना कुठला	343/15	सुजुकी एक्सेस	MP 21 MB3418	13000
18	थाना कोतवाली (न्यायालय मालखाना)	1245/2015	मोटर सायकल	MP 21 MG 1048	12000
19	मद्यभाण्डागार कटनी	पी-8, 171/21.08.17	बजाज मेक्सिमा आटो	MP 21 R 3653	40000
20	आबकारी नियंत्रण कक्ष	पी-8, 296/ 02.03.19	होण्डा एक्टिवा	MP 21M6864	7000
21	थाना रीठी	149/19	हिरो होण्डा सीडी 100	UP 11A9374	1200
22	थाना बहोरीबन्द	410/18	ऑटो बजाज मेक्सिमा	MP21R4442	34000
23	बस स्टेण्डपुलिस चौकी	728/18	सुजुकीमैक्स आर 100	MP 21 C 6525	1400
24	देशी मद्यभाण्डागार कटनी	पी-8, 163/04.08.18	टाटा 407	MP 20G8844	78000

प्राप्त निविदा खोले जाने पर उसमें प्रस्तुत किये गये समस्त कागजात जांच में सही पाये जाने पर, निविदादाताओं द्वारा दिये गये उच्चतम ऑफर की घोषणा की जायेगी। निविदा में प्राप्त राशि यदि निर्धारित ऑफसेट मूल्य की राशि से अधिक है तो निविदा स्वीकृत किये जा सकते है। यदि किसी वाहन हेतु प्राप्त निविदा ऑफसेट मूल्य से कम है तो पुनः विज्ञप्ति जारी की जायेगी।

नीलामी की शर्त एवं नियम निम्नानुसार रहेंगे-

1. वाहन जिस हालत में है उसी हालत में सौंपा जावेगा।
2. निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त निविदा मान्य नहीं होगी।
3. निविदा फॉर्म रूपये 500/- (अक्षरी पांच सौ रूपये मात्र) प्रोसेडिंग शुल्क जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय कटनी में ऑनलाईन ई चालान के माध्यम से जमा कर अवकाश के दिनों को छोडकर कार्यालय में दिनांक 25.06.2021 को समय दोपहर 12 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है।
4. प्रत्येक वाहन की निविदा के साथ वाहन की ऑफसेट प्राईज की 50 प्रतिशत राशि (धरोहर राशि) का बैंक ड्राफ्ट किसी राष्ट्रीयकृत/अधिसूचित/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के बैंकर्स चेक/बैंक केस आर्डर/ऑनलाईन चालान जिला आबकारी अधिकारी जिला कटनी के नाम का निविदा फॉर्म के साथ संलग्न कर प्रस्तुत करना होगा। इसी प्रकार निविदादाता को 100 रूपये का शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज भी निविदा फॉर्म के साथ प्रस्तुत करना होगा। शपथ पत्र में उसके द्वारा घोषणा की जावेगी कि "मैने निविदा से संबंधित सारी शर्ते एवं उपबंध समझ लिया है जो कि मुझे स्वीकार है"प्रस्तुत करना होगा। बैंक ड्राफ्ट के अभाव में प्रस्तुत किये जाने वाली निविदा मान्य नही होगी।
5. टेण्डरदाताओं की पहचान एवं निवास स्थान के पते के प्रमाणीकरण के संबंध में (कोई एक दस्तावेज)
   - पासपोर्ट
   - स्थायी आयकर लेखा संख्या (पेन) कार्ड।
   - निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत मतदाता पहचान पत्र (ईपिक कार्ड)
   - ड्राईविंग लायसेंस।
   - फोटोयुक्त वर्तमान बैंक बचत/चालू लेखा पुस्तिका।
   - आधार कार्ड।
6. निवास स्थान के पते के प्रमाणीकरण हेतु निम्न दस्तावेज मान्य होंगे। (कोई एक दस्तावेज)
   - अधिकतम तीन माह पुराना टेलीफोन/मोबाईल बिल
   - अधिकतम तीन माह पुराना बिजली भुगतान का बिल
   - अधिकतम तीन माह पुरानी एल पी जी गैस रि-फिलिंग की रसीद
   - अधिक तीन माह पुराना पानी का बिल
   - किसी वित्तीय संस्थान द्वारा जारी फोटो युक्त क्रेड्टि कार्ड
   - स्त्रोत पर आयकर कटौती का अद्यतन जारी फार्म 16 में प्रमाण पत्र
   - बैंक की वर्तमान बचत/चालू लेखा पुस्तिका
   - आधार कार्ड
7. प्रत्येक सीलबन्द लिफाफे के उपर शब्द "वाहन क्रय संबंधी निविदा एवं वाहन क्रमांक " अंकित किया जाना अनिवार्य होगा।
8. असफल निविदाकारों की धरोहर राशि वांछित आवश्यक कार्यवाही पश्चात वापस कर दी जावेगी। किन्तु टेण्डर फार्म की कीमत वापसी योग्य नहीं होगी।
9. सफल निविदाकारों की धरोहर राशि का समायोजन स्वीकृति राशि के विरूद्ध किया जावेगा तथा निविदाकारों को उनकी निविदा स्वीकृत होने के 07 दिवस के अन्दर स्वीकृति अनुसार समस्त राशि का भुगतान जिला आबकारी अधिकारी जिला कटनी के पक्ष में करना होगा। इस संबंध में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। समयावधि में राशि जमा नहीं कराने की स्थिति में निविदाकार की धरोहर राशि कलेक्टर द्वारा राजसात की जावेगी।
10. निविदा के किसी भी बिन्दु पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार जिला आबकारी अधिकारी जिला कटनी का होगा।
11. सफल निविदादाता द्वारा वाहन के नामांतरण, टैक्स जमा करना आदि समस्त कार्यवाही हेतु शुल्क स्वयं ही वहन करना होगी। इस संबंध में नीलामी पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
12. उपरोक्त वाहनों के रजिस्ट्रेशन संबंधी कोई भी अभिलेख उपलब्ध नहीं है तथा न ही उपलब्ध कराने का विभाग का उत्तरदायित्व होगा।
13. वाहन पर किसी संस्थान, बैंक अथवा निजी व्यक्ति के फायनेंस बावत किसी प्रकार का उत्तरदायित्व विभाग का नहीं होगा।

निविदाकार उल्लेखित वाहनों का अवलोकन नीलामी दिनांक के दो दिवस पूर्व वाहन के खडे रहने के स्थल पर कर सकते है। नीलामी पश्चात इस संबंध में कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

(कलेक्टर द्वारा आदेशित)

(अनिल जैन)
जिला आबकारी अधिकारी
जिला कटनी

जी-13346/21

संपादकीय

थमा नहीं है अभी कोरोना का कहर

अनलॉक की प्रक्रिया के साथ ही उसी तरह की बेफिक्री और लापरवाही सामने आने लगी है जैसे इस साल के आरंभ में पहली लहर के उतार के वक्त देखी गई थी। कोरोना संक्रमण से बचाव की गाइडलाइन्स फिर किनारे की जाने लगी हैं। बाजारों के खुलते ही सोशल डिस्टेंसिंग की जरूरत को नजरअंदाज किया जा रहा है। बाजारों में फेस मास्क नाक से उतरकर ठोड़ी तक आ चुके हैं। सैर-सपाटे पर निकलने को आतुर लोगों की कारों के काफिले हिल स्टेशनों की तरफ कूच करने लगे हैं। कोरोना की दूसरी लहर की भयावहता के बाद जो धैर्य लोगों में भय से नजर आ रहा था, उसे दरकिनार करने की होड़ जैसी लगी है। हम न भूलें कि कोरोना संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। बुधवार को स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से संक्रमण के जो आंकड़े सामने आये हैं, उनमें संक्रमितों की संख्या बासठ हजार बताई गई। मरने वालों की संख्या भी ढाई हजार के पार रही। हम इसे कोरोना संकट से मुक्ति की स्थिति कतई नहीं कह सकते। वह भी तब जब स्वास्थ्य विशेषज्ञ तीसरी लहर के आने की आशंका जता रहे हैं। हम यह न भूलें कि यूरोप व एशिया के कई देश तीसरी-चौथी लहर से जूझ रहे हैं। कमोबेश फिर वैसी ही स्थितियां पैदा हो रही हैं जैसी इस साल फरवरी में देखी गई जब कोरोना महामारी में गिरावट का रुझान था। नये मामले दस हजार से कम हो रहे थे। देश में कोविड देखभाल केंद्र बंद किये जा रहे थे। यहां तक कि देश का शीर्ष नेतृत्व भी अपनी पीठ थपथपा रहा था कि दुनिया की अट्ठारह फीसदी आबादी वाले देश ने कोरोना को प्रभावी ढंग से रोककर मानवता को एक बड़ी आपदा से बचाया है। कमोबेश ऐसा ही अति आत्मविश्वास लोगों के स्तर पर भी था, जो मानकर चल रहे थे कि कोरोना हमेशा-हमेशा के लिये चुहान चला गया है। फिर हमारी लापरवाही के चलते दूसरी भयावह लहर का दंश देश ने भोगा। हम न भूलें कि दूसरी मारक लहर के दौरान एक अप्रैल के बाद से दो लाख से अधिक लोगों को महामारी ने लीला। निस्संदेह संक्रमण के मामलों में गिरावट आई है लेकिन इतने कम मामले भी नहीं हैं कि हम लापरवाही के रास्ते चल पड़ें। किसी भी तरह की लापरवाही तीसरी लहर को आमंत्रित करेगी, जिसके आने को चिकित्सा विज्ञानी अपरिहार्य मान रहे हैं। प्रतीत हो रहा है कि लोग अप्रैल-मई में महामारी के भयावह दृश्यों को भूल गये हैं। जब बेड न मिलने के कारण लोग अस्पताल के बाहर दम तोड़ रहे थे। ऑक्सीजन सिलेंडर के लिये लोग रात-रात भर कतारों में लगे रहे। श्मशान घाटों में अंतिम संस्कार की जगह न मिलने पर पार्क व खेल के मैदानों को श्मशान घाटों में तब्दील किया गया। इसके बावजूद लोग लापरवाही करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। चंडीगढ़ जैसी जगह में 23 मार्च के बाद सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने के कारण पचास हजार लोगों पर जुर्माना लगा। कोलकाता में सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर प्रतिदिन छह सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया या मुकदमा चलाया गया। पुलिस प्रशासन के अधिकारी लोगों को रोक पाने में असफल नजर आ रहे हैं। जैसे ही मुंबई खुलना शुरू हुआ, फेस मास्क का उल्लंघन करने वालों की संख्या दोगुनी हो गई। मुंबई नगर निगम ने अप्रैल से अब तक 57 करोड़ से अधिक रुपये का जुर्माना वसूला है। वहीं बेंगलुरु पुलिस का कहना है कि जुर्माना व वाहन जब्ती के बावजूद लोग नियम तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। दरअसल, नियमों को तोड़ने के मामले में हमारे राजनेता और धार्मिक समूहों के मुखिया भी पीछे नहीं रहे हैं। इस साल की शुरुआत में राजनीतिक रैलियों व धार्मिक आयोजनों की कोरोना सुपर स्प्रेडर की भूमिका देश देख चुका है। उस देश में जहां का स्वास्थ्य ढांचा चरमराया हो। सकल घरेलू उत्पाद का महज डेढ़ प्रतिशत से कम धन स्वास्थ्य पर खर्च किया जाता हो, वहां कोरोना से बचाव के नियमों का उल्लंघन किसी अपराध से कम नहीं है।

इस महामारी का स्थाई इलाज तलाशिए

'अवसाद से हारी ओसाका, फ्रेंच ओपन बीच में छोड़ा।' महीने की शुरुआत में इस शीर्षक से छपी खबर ने चौंकाया था। सरसरी तौर पर यह शीर्षक एक खिलाड़ी की शिकस्त और पलायन की ओर इशारा करती है। जापानी मूल की अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका कोई पहली खिलाड़ी नहीं, जिन्होंने अवसाद से घिरे होने का खुलासा किया। फिर भी यह एक अहम फैसला है क्योंकि उन्होंने अपने भीतर चल रहे उथल-पुथल का खुलासा उस वक्त किया जब वह एक प्रतियोगिता में खेल रही थी और जीत की प्रबल दावेदार भी थी। फिलहाल ओसाका ने तन के साथ मन को भी स्वस्थ रखने की ओर दुनिया का ध्यान खींचा।

आज जब इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में मौके और मंजिल की तलाश में व्यक्ति खुद को भूल रहा है वहां ओसाका ने खुद के दिल और मन को किसी खिताब से ऊपर रखा। लेकिन सोचने वाली बात है कि ओसाका अपने करियर के उठान पर है। कमाई के मामले में वह 23 ग्रैंड स्लैम जीत चुकी सेरेना विलियम्स को भी पीछे छोड़ चुकी है। फिर भी वह अवसाद की शिकार है। ऐसे में प्रतिस्पर्धा के अन्य क्षेत्रों में संघर्षरत लोगों का क्या हाल होगा। ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत के 43 प्रतिशत लोग किसी न किसी स्तर पर अवसाद के शिकार हैं। कोरोना महामारी आने के बाद अवसाद का असर और बड़ा। लोगों पर विपदाओं का पहाड़ टूट पड़ा। बार-बार लॉकडाउन के कारण कामधंधे बंद हो रहे हैं। लोगों की नौकरियां छूट रही हैं। सीएमआईई की रिपोर्ट के अनुसार दूसरी लहर के कारण देश में एक करोड़ से अधिक लोगों की नौकरी गई। महज पिछले एक महीने में शहरी बेरोजगारी दर 7.88 प्रतिशत बढ़ी है। जहां लॉकडाउन नहीं वहां फैक्टरियों में आधी क्षमता, आधे वेतन के साथ काम हो रहा है। ऐसी परिस्थितियों में किसी का भी अवसाद की चपेट में आना बहुत संभव है। जीवन के किसी भी मोर्चे पर हार-जीत जिंदगी का हिस्सा है। लेकिन हार के बाद लगातार दबाव महसूस करना किसी की दिनचर्या या जीवन का हिस्सा नहीं होना चाहिए। आज का सच यह है कि किसी तरह की हार या विफलता या उसकी आशंका से विविध क्षेत्रों में कार्यरत लोग अवसाद का शिकार हो रहे हैं। फिर भी जब तक स्थिति हद पार नहीं करने लगती, लोग अवसाद की गंभीरता को नहीं समझते। हमने कई बार ऐसी खबरें अखबारों में पड़ी होंगी कि अमेरिका में नौकरी कर रहे प्रवासी युवा ने आत्महत्या की। कोटा में कोचिंग के लिए गये छात्रों द्वारा आत्महत्या की खबरें आये दिन छपने लगी हैं। कभी-कभी तो परिवार सहित आत्महत्या की खबर भी छपती है। हाल ही में राजस्थान के सीकर और महाराष्ट्र से पूरे परिवार द्वारा आत्महत्या की खबर आई थी। महत्वाकांक्षाओं या अपेक्षाओं के दवाब या आर्थिक, पारिवारिक कारणों से आत्महत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। हार और असफलता जीत और कामयाबी की ओर जाने का अनिवार्य पड़ाव है। बिना इस पड़ाव से गुजरे आज तक कोई कामयाब या चैंपियन नहीं बन सका है। ऐसे में यदि कोई विचलित हो अवसाद में चला जाता है तो ये हमारी ट्रेनिंग प्रक्रिया और आधारभूत शिक्षा की खामी है। अवसाद के प्रति समाज का अवसादी नजरिया भी बहुत हद तक जिम्मेवार है, बढ़ते अवसाद और फिर इन आत्महत्याओं के लिए। ऐसे में अवसाद पर गम्भीर चर्चा की जानी चाहिए। बढ़ते अवसाद के मूल कारणों की तलाश की जानी चाहिए।

बीते दो दशक में हमारी दुनिया तेजी से बदली है। समाज की सबसे मजबूत इकाई परिवार बिखरा है। परिवार बिखरते ही हमारा भावनात्मक संबल हमसे छिना है। एक समय था जब जीवन की मुश्किलों का सामना करते समय परिवार का साथ और भावनात्मक संबल भी हमारे साथ होता था। मगर आज जीवन के युद्ध में हम अकेले हैं। फिर बीते दिनों हमारी महत्वाकांक्षाओं का पहाड़ इतना ऊंचा और हठी न था। व्यक्ति की महत्वाकांक्षाएं व्यक्ति और उसके संबंधों से बड़ी न थीं। खुशियां ना तो किसी कामयाबी से आंकी जाती थी और ना ही जीवन हर पल प्रतिस्पर्धा की तलवार पर चलने का नाम था। संघर्ष पहले भी बहुत था। जीवन आज की तुलना में कहीं अधिक कठिन था। किंतु तनाव का कहीं कोई वायरस ना था। हमारी इच्छाएं आर्थिक संपन्नता की गुलाम न थीं। हमें इज्जत-शोहरत का इतना लोभ भी ना था। इज्जत और शोहरत पहले भी थी मगर वह अखबार के पन्नों और टीवी के स्क्रीन पर नहीं, परिवार, समाज में रहने वाले लोगों के दिलों में थी। इस सामाजिक संरचना के बदलने के साथ अवसाद नामक वायरस का जन्म हुआ। समाज की अवसादी सोच के कारण आज यह कोरोना महामारी के जैसा ही विकराल रूप धारण करने लगा है। देखना यह है कि कोरोना का इलाज खोज रही दुनिया में अवसाद महामारी का स्थायी इलाज खोजने की शुरुआत कब होती है।

-सरस्वती रमेश

अन्याय का अस्त्र बनता सुरक्षा कवच

इसी साल मार्च के महीने में अलीगढ़ से एक खबर आई थी, जिसमें कहा गया था कि तेरह साल की एक लड़की के पिता ने एक लड़के पर आरोप लगाया था कि उसकी बेटी के साथ उसने दुष्कर्म किया है। इस कारण वह गर्भवती हो गई और उसने एक बच्ची को जन्म दिया। इस लड़के पर दुष्कर्म, मारपीट और धमकी का केस दर्ज किया गया। कहा गया था कि लड़की ने अपनी और परिवार की जान बचाने की खातिर किसी को इस बात की सूचना नहीं दी। लेकिन जिस बच्ची को उस लड़की ने जन्म दिया था, उसके डीएनए टेस्ट में यह बात साबित हुई कि उसका डीएनए उस लड़के से नहीं मिलता था। यानी कि उसने दुष्कर्म नहीं किया था। लड़के के वकील ने कहा कि गांव के एक दबंग ने लड़की से दुष्कर्म किया था और उसके गर्भवती होने पर उस लड़के का नाम लगवाया था। निरपराध होते हुए भी उस लड़के को जेल में दो साल काटने पड़े। परिवार के लोगों को तरह-तरह के लांछनों और मुसीबतों से भी लगातार गुजरना पड़ा। विष्णु तिवारी तो आपको याद ही होगा, जिस पर दुष्कर्म का कोई आरोप साबित नहीं हुआ, लेकिन उसने बीस साल जेल में बिताए। जब वह जेल से बाहर आया तो उसके परिवार में कोई ऐसा नहीं बचा था, जिसके पास लौटकर जा सकता। दिल्ली के एक रियल एस्टेट एजेंट ने अपने एक कर्मचारी को पैसे की हेराफेरी करने के मामले में नौकरी से निकाला तो उस आदमी ने एक महिला को प्रापर्टी खरीदने के बहाने उसके पास भेजा। इस महिला ने इस आदमी से मेट्रो स्टेशन तक की लिफ्ट मांगी और बाद में आरोप लगाया कि वह उसे एकांत जगह पर ले गया और दुष्कर्म किया। जबकि जिस आदमी पर आरोप लगाए जा रहे थे, उसके पास खुद को निर्दोष साबित करने के सारे प्रमाण मौजूद थे क्योंकि वह ग्यारह मिनट में वापस अपने आफिस लौट आया था। लेकिन उसकी बात किसी ने नहीं सुनी और उसे अपराधी साबित कर दिया गया क्योंकि एक बार आरोप लग जाए तो ऐसे व्यक्ति की न पुलिस, न समाज, कोई नहीं सुनता। उस व्यक्ति और उसके परिवार को तरह-तरह के अपमान झेलने पड़े। जब मामला अदालत में गया तो आरोप लगाने वाली महिला ने कहा कि उसने झूठा आरोप लगाया था। इस आदमी के वकील का कहना था कि दुष्कर्म के जितने आरोप लगाए जाते हैं, उनमें से मात्र एक प्रतिशत ही सच्चे होते हैं। 2014 में दिल्ली महिला आयोग ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें बताया गया था कि तिरेपन प्रतिशत दुष्कर्म के आरोप झूठे होते हैं। किसी महिला आयोग का ऐसा कहना महत्वपूर्ण है। इस तरह के झूठे आरोपों पर अदालतें अक्सर नाराजगी प्रकट करती रही हैं। कई बार महिलाओं पर जुर्माने भी लगाए गए हैं। अनेक बार दूसरों से बदला लेने के लिए, किसी की सफलता के ईर्ष्यावश, पैसे, प्रापर्टी का लेन-देन या किसी रिश्ते के टूट जाने पर तथा अन्य तमाम कारणों से ऐसे आरोप लगवाए जाते हैं। कई बार सहमति से सम्बंध बनते हैं। लेकिन लड़की के माता-पिता सामाजिक दबाव के कारण लड़की से ऐसे आरोप लगवा देते हैं। अनेक बार कहा जाता है कि लड़की को किसी पेय में नशीली दवा खिलाकर दुष्कर्म किया गया। जबकि जांच में अक्सर यह बात सामने आती है कि ऐसे बहुत से मामले सहमति के होते हैं। कई बार सहमति से सम्बंध का पता लगने पर लड़की के घर वाले उससे कहते हैं कि जिसने तुम्हारा कौमार्य भंग किया है, अगर उसने तुमसे शादी नहीं की तो तुमसे कौन शादी करेगा। इसलिए अगर दुष्कर्म का केस दर्ज करा दिया जाए तो वह डर जाएगा और शादी कर लेगा। देखा जाए तो माता-पिता का यह डर निराधार भी नहीं है क्योंकि समाज में मानसिकता ही ऐसी है। लेकिन इसके लिए कानून का दुरुपयोग गलत है। जो कानून महिलाओं की रक्षा करने और उन्हें ताकत देने के लिए बनाए गए हैं, उनका इस्तेमाल बहुत से लोग निजी हानि-लाभ के लिए कर रहे हैं। इसमें बड़ी संख्या में पुरुष भी शामिल हैं। कायदे से तो महिलाओं को कानून के इस तरह के दुरुपयोग से बचना चाहिए। क्योंकि यदि कानूनों का दुरुपयोग होता है तो समाज में उनके प्रति विश्वसनीयता घटती है। यही नहीं, जिन महिलाओं के प्रति सचमुच अपराध हुए हैं, जिन्हें सताया गया है, उन्हें भी संदेह की नजरों से देखा जाने लगता है। दिल्ली महिला आयोग ने भी पाया था कि अधिकतर दुष्कर्म के केस झूठे होते हैं। यदि हम मानव अधिकारों की बात करते हैं तो इन लड़कों के मानव अधिकारों का क्या हुआ। कोई भी कानून ऐसा क्यों होना चाहिए जहां बिना किसी प्रमाण, ब्यूरोक्रेसी के बीच फंसकर लोगों को निरपराध होते हुए भी सालों जेल में काटने पड़ते हैं। जेलों में बंद अपराधियों पर गौर करें तो पता चलेगा कि अधिकांश गरीब होते हैं। उनके पास कानून का पेट भरने के लिए संसाधन नहीं होते। यह कैसे समाज की रचना हम कर रहे हैं जहां न्याय मांगने के नाम पर अन्याय को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन दिनों हो ये रहा है कि महिला कानूनों की कठोरता देखते हुए बहुत से पुरुष ही महिलाओं को हथियार बनाकर इनका दुरुपयोग कर रहे हैं। विष्णु तिवारी के मामले में कहा जाता है कि एक पुलिस वाले ने एक गरीब दलित स्त्री को उसके खिलाफ भड़काया। अब कौन जाने कि उस पुलिस वाले को इस आदमी से क्या शिकायत थी। इसी प्रकार अमित के मामले में भी एक दबंग के कहने पर लड़की के पिता ने उसका नाम लगाया।

-क्षमा शर्मा

आप का राशिफल 18 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-1-3-5

फिल्म वर्ग पहेली- 5468

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरुख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फराह की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अँखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानो की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5467

Jagrutidaur.com, Bangalore

हेल्थ

सावधान! 10 से 18 साल के युवा डिप्रेशन की चपेट में

बड़े ही नहीं युवा भी अवसाद की जद में हैं। 10 साल के बच्चे से लेकर 18 साल के युवाओं में तेजी से अवसाद (डिप्रेशन) घर कर रहा है। इसकी बहुत सी वजह हैं। माता-पिता अपनी उम्मीदों को बच्चे पर थोपते हैं। पढ़ाई का पहले से ही दबाव रहता है। यह बातें बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष वर्मा ने यहां दी। केजीएमयू के कलाम सेंटर में यूपी पेडिकॉन की 39 वीं कान्फ्रेंस का आगाज हुआ। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश चन्द्र पांडेय ने बताया कि मोबाइल-कम्प्यूटर और टीवी बच्चों सेहत का सबसे बड़ा दुश्मन बन गया है। छह साल की उम्र तक बच्चे को मोबाइल, कम्प्यूटर टीवी आदि से दूर रखें। इससे नजर कमजोर हो सकती है। छह साल से अधिक उम्र के बच्चे माता-पिता की देख-रेख में आधा एक घंटे मोबाइल देख सकते हैं। वह भी 20-20 मिनट के अंतराल पर। इंदौर के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जेएस टुटेजा ने किशोरों में बढ़ रहे मानसिक तनाव पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि देश में किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक खोलने की जरूरत है। माता-पिता बच्चों से लगातार संवाद रखे।

बस नौ मिनट के दुलार से नहीं बिगड़ेंगे बच्चों से रिश्ते

पीजीआई में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पियाली भट्टाचार्या व कान्फ्रेंस के संयोजक डॉ. आशुतोष वर्मा ने बताया कि काफी संख्या में दम्पत्ति दोनों कामकाजी हैं। उनके पास बच्चों के संग वक्त गुजरने तक का मौका नहीं रहता है। ऐसे में सिर्फ नौ मिनट बच्चों के बीच गुजारें। इससे बच्चे में खुशी बढ़ेगी। माता-पिता के प्रति बच्चे का स्नेह बढ़ेगा।

ये है फार्मूला

-सुबह बच्चे के उठने के बाद माता-पिता उसे गले लगाएं। तीन मिनट दुलार करें।

-स्कूल से जब बच्चा घर लौटे तो उसे तीन मिनट तक प्यार करें। उसकी टाई सही करें। पीठ थपथपाएं। चेहरे और सिर पर स्नेह से हाथ फेरें।-सोने से ठीक पहले बच्चे से तीन मिनट बातें करें। चिपकाकर लिटाएं।

रोज मैदान में एक घंटे खेले बच्चे

चिकित्सा शिक्षा विभाग में अपर निदेशक व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एनसी प्रजापति ने कहा कि बच्चे खेल-कूद के बजाए मोबाइल देखना अधिक पसंद कर रहे हैं। मैदान और पार्क गायब हो गए हैं। बीमारियों से बचने के लिए बच्चों को एक घंटे रोजाना मैदान में खिलाएं।

सूडोकु नवताल- 5989

★★★★☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5988 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

विचार प्रवाह

आज मिलावट का जमाना है। खाद्य पदार्थों और औषधियों में ही मिलावट नहीं चल रही है, विचारों और आदर्शों में भी मिलावट का काम जारी है। यहां तक कि हम जो सांस लेते हैं उसमें भी मिलावट है। सांस में ऑक्सीजन कम, कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा है। लोक कहते हैं- आज ईमानदारी के साथ जी नहीं सकते। मैं कहता हूं- ठीक है, अगर ईमानदारी के साथ जी नहीं सकते तो कोई बात नहीं, ईमानदारी के साथ मर तो सकते हैं। ईमानदारी मजबूरी से नहीं, मजबूती से बनें।

मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7051

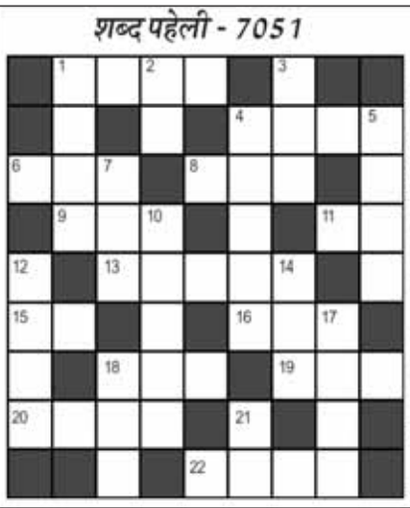

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -7050 का हल

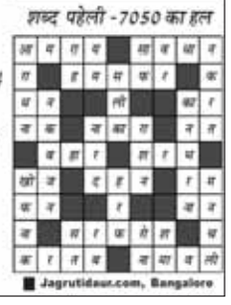

Jagrutidaur.com, Bangalore

भोपाल में पेड़ गिरने की आईं डेढ़ सौ से ज्यादा शिकायतें

भोपाल। राजधानी में मानसून दस?तक दे चुका है और विगत कुछ दिनों से रोज शहर में रुक-रुककर आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। ऐसे में जगह-जगह पेड़ गिरने की भी लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। अचानक राजधानी में इतनी अधिक संख्या में पेड़ गिरने की शिकायतों के चलते नगर निगम अधिकारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। आलम यह है कि सीएम हेल्पलाइन में 55, नगर निगम के काल सेंटर में 63 व 40 शिकायतें अधिकारियों के मोबाइल पर प्राप्त हुई है। इस तरह 158 शिकायतें विगत दिनों में पेड़ गिरने की राजधानी में सामने आई है। इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए नगर निगम की रेस्क्यू टीम

नगर निगम ने विभिन्न जगहों से हटाए अतिक्रमण

पेड़ हटाने का काम कर रही है। इधर, नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए बावड़ियां कलां में अवैध रूप से लगाई गई एक फेसिंग हटाई गई। वहीं सुभाष नगर क्षेत्र से

दुकान का एक बोर्ड, नवबहार सब्जी मंडी से 25 ठेले तथा कोलार रोड स्थित होंडा शोरूम के सामने से 14 सब्जी विक्रेताओं द्वारा अतिक्रमण कर लगाए गए ठेलों को हटाने की कार्रवाई की गई। निगम अमले ने न्यू मार्केट नो-वहीकल जोन में लगभग 100 दुकानों के सामने फुटपाथ एवं कॉरीडोर में किए गए अतिक्रमणों को हटाया और चार टेबिल, दो कैरेड, दो नेट, एक चादर जब्त की गई। इधर, निगम ने कार्रवाई निगम अमले ने कमला पार्क, पॉलीटेक्निक चौराहा, राजभवन, लिली टॉकीज, बैंक चौराहा, कलेक्ट्रेट, गांधी नगर, पुतलीघर, गोलघर, लिंक रोड नंबर एक, दो व तीन, वल्लभ भवन, सतपुड़ा भवन गिन?नौरी आदि क्षेत्रों में आवागमन को बाधित करने वाले 156 हाथ ठेले हटवाए गए।

मेडिकल, पैरामेडिकल और नर्सिंग सत्र जुलाई से होगा शुरू

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा, भोपाल गैस त्रासदी, राहत एवं पुनर्वास मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मेडिकल, पैरामेडिकल और नर्सिंग कक्षाएँ जुलाई से शुरू करने के निर्देश दिये हैं। सारंग ने कहा कि विद्यार्थियों का प्रवेश के समय अनिवार्य रूप से टीकाकरण सुनिश्चित करें। सारंग ने कोरोना की संभावित तीसरी लहर के मद्देनज़र तीनों ही विधाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को पहले हफ्ते कोरोना प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिये। सारंग ने यह निर्देश आज मंत्रालय में चिकित्सा शिक्षा और भोपाल गैस त्रासदी, राहत एवं पुनर्वास विभागों की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए दिए। मंत्री ने मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान

विश्वविद्यालय को सभी परीक्षाएँ और परीक्षा परिणाम समय-सीमा में घोषित करने के लिये कहा। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के कारण लंबित बेकलॉग का जल्द से जल्द निपटारा करें। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक गतिविधियों में अकारण विलंब को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। प्रदेश के 36 मेडिकल और डेंटल निजी एवं शासकीय कॉलेजों में विद्यार्थियों की संख्या 16 हजार 500, नर्सिंग के 1,420 कॉलेज में 59 हजार 900 और पैरामेडिकल के 172 कॉलेज में 12 हजार 600 है। अभी ऑनलाइन संचालित की जा रही कक्षाएँ जुलाई से ऑफलाइन हो जायेंगी। कोरोना महामारी के कारण मानसिक रूप से प्रभावित छात्र-छात्राओं को मनो-चिकित्सक की सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जायेंगी। बैठक में यूनियन कार्बाइड के रासायनिक कचरे के विनिष्टिकरण, गैस पीड़ित विधवा पेंशन योजना, भोपाल गैस मेमोरियल निर्माण, आयुष्मान योजना, नई डिस्पेंसरी खोलने, गैस प्रभावितों के आर्थिक पुनर्वास और चिकित्सा सुविधाओं पर चर्चा की गई। आयुक्त चिकित्सा शिक्षा निशांत बरवड़े, संचालक उल्का श्रीवास्तव, संचालक भोपाल गैस त्रासदी बसंत कुर्रे और दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद थे।

मेट्रो लाइन निर्माण के लिए रखे कीमती उपकरण चोरी

पुलिस जांच में जुटी

भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र में आने वाले रेलवे डीआरएम कार्यालय से एम्स अस्पताल मार्ग में कडी सुरक्षा के बीच शातिर चोरों ने मेट्रो लाइन निर्माण उपकरणों पर हाथ साफ कर दिया। आरोपित मेट्रो रेल लाइन निर्माण के लिए रखे कीमती उपकरण चुराकर ले गए। बताया जा रहा है है चोरी गए उपकरणों की कीमत लाखों में हो सकती है। पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बागसेवनिया थाने के एएसआई रमेश सिंह ने बताया कि नरेला संकरी अयोध्या नगर निवासी मनीष शर्मा मेट्रो प्रोजेक्ट में मैनेजर हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि डीआरएम कार्यालय से एम्स के बीच मेट्रो लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है। गत एक जून को उन्होंने साइड पर रखा मेट्रो टर्नल, हाइड्रोजेक समेत अन्य सामान सुरक्षित देखा था, लेकिन 9 जून को जब वहां पहुंचकर देखा तो सामान गायब था। उन्होंने इस बारे में सुपरवाइजर समेत वहां काम कर रहे मजदूरों से पूछताछ की, लेकिन सभी ने इसे लेकर अनभिज्ञता जताई। इसके बाद मामला बागसेवनिया पुलिस तक पहुंचा।

उमरिया देहात से साढे पांच किमी बिजली केबल चोरी

इधर बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित उमरिया देहात से अज्ञात बदमाश बिजली के पोल पर लगा केबल चुराकर ले गए। साढ़े पांच किलोमीटर की दूरी पर लगे केबल की कीमत लाखों रुपये हो सकती है। केबल चोरी की सूचना मिलते ही बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। बाद में बैरसिया पुलिस को शिकायत की गई। बैरसिया पुलिस ने बताया कि पुनित पालीवाल बिजली विभाग में पदस्थ है। उन्होंने पुलिस को शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि गांव उमरिया खजूरी देहात बैरसिया में लगे बिजली के पोल पर से साढ़े पांच किलोमीटर का केबल चुरा लिया। इतने लंबे केबल के चोरी होने से अनुमान लगाया जा रहा है कि वारदात को किसी बड़े गिरोह ने अंजाम दिया है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

भोपालवासियों ने 65 दिन बाद उठाया रेस्तरां में बैठकर खाने का लुत्फ, जिम में की कसरत

भोपाल। कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप कम होने पर राजधानी भोपाल में बुधवार को 65 दिन बाद शापिंग मॉल, जिम और रेस्टोरेंट्स में रौनक लौट आई। शापिंग मॉल में जहां लोगों ने खरीदी की, वहीं रेस्तरां में स्वदिष्ट व्यंजनों का जमकर लुत्फ उठाया। खास बात यह है कि अपनी फिटनेस को लेकर सजग रहने वाले लोग पहले ही दिन जिम भी पहुंचे और कसरत करते हुए खूब पसीना भी बहाया। हालांकि इस दौरान सुरिक्षत शारीरिक दूरी संबंधी नियमों का पालन भी किया गया। गौरतलब है कि 12 अप्रैल से ये प्रतिष्ठान बंद थे। हालांकि रेस्तरां में पार्सल सुविधा कुछ दिन पहले ही शुरू कर दी गई थी, लेकिन ग्राहकों को बैठाकर खाने की व्यवस्था बुधवार से ही शुरू हुई है। इधर, पहले ही दिन कोविड नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ जमकर कार्रवाई हुई।

726 दुकानों पर लगाया 79 हजार रुपये का जुर्माना

इधर, जिला प्रशासन की कोविड सुरक्षा टीम ने कोरोना संबंधी नियमों का पालन न करने के मामले में 726 दुकानों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। इस दौरान सुरक्षित शारीरिक दूरी के नियमों का पालन न करने के मामले में इन पर 79 हजार 876 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसी तरह बिना मास्क के बाजार में घूमने वाले 670 लोगों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की गई। इधर, नगर निगम का तर्क है कि 724 लोगों से स्पॉट फाइन के रूप में 73 हजार 880 रुपये का जुर्माना मास्क न पहनने वालों पर किया गया है। इनसे 68 हजार 576 रुपये का जुर्माना वसूला गया है। वहीं सुरक्षित शारीरिक दूरी के नियमों का पालन न करने वाले 56 लोगों पर 11 हजार 300 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

कोलार में हॉकर्स कॉर्नर बनकर तैयार, फिर भी सड़कों पर लग रहे ठेले

भोपाल। शहर के उपनगर कोलार के वार्ड-81 और 82 क्षेत्र का हॉकर्स कॉर्नर गेहूंखेड़ा नहर पर बनकर तैयार हो चुका है, लेकिन अभी तक इसमें व्यविस्थत खाद्य पदार्थों के ठेले लगने शुरू नहीं हुए हैं। करीब 30 लाख रुपये की लागत से बने हॉकर्स कॉर्नर की जगह अब भी यहां सड़कों पर ही ठेले लगा रहे हैं। नगर निगम प्रशासन की हर वार्ड में हॉकर्स कॉर्नर योजना के तहत कोलार में वार्ड-81 और 82 के लिए हॉकर्स कॉर्नर एक ही जगह गेहूंखेड़ा नहर पर बनाए गए थे। लेकिन कोरोना संक्रमण के कारण सड़क पर लगने वाले खान-पान की चीजों के ठेलों को हॉकर्स कॉर्नर को शिफ्ट नहीं किया गया। इससे लोगों को एक स्थान पर सभी तरह के खाद्य पदार्थ खाने को नहीं मिल पा रहे हैं।

कोविड-19 के विरुद्ध डिजिटल शपथ अभियान से जुड़ा माखन - लाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय

भोपाल। लोकसंवाद संस्था जयपुर एवं यूनिसेफ राजस्थान की पहल पर देश की दर्जन भर शैक्षिक संस्थाओं ने मिलकर कोविड-19 महामारी के उन्मूलन को लेकर एक डिजिटल शपथ अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान में राजधानी भोपाल में स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) भी शामिल है। इसके तहत दो लाख लोगों को डिजिटल शपथ दिलाने का लक्ष्य है। इस संदर्भ में एमसीयू के कुलपति प्रो. केजी सुरेश ने कहा कि यह अभियान कोरोना टीकाकरण और कोविड अनुरूप व्यवहार के प्रति समाज में जागरुकता लाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस डिजिटल शपथ अभियान में सभी भागीदारों को ई-प्रमाण पत्र मिलेगा। खासकर युवाओं के लिए अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर भी इसमें है। कोविड-19 से बचाव के संबंध में मोबाइल से फिल्में बनाकर अपलोड की जा सकती हैं। फिल्मों की अवधि 30 सेकेंड से दो मिनट तक की हो सकती है। बेहतर रचनात्मकता के लिए युवाओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य समाज में कोविड के टीकाकरण के प्रति जागरुकता पैदा करना है।

इस अभियान के तीन पक्ष हैं

- शपथ लेने वाले को शपथ पत्र भरते ही ई-सर्टिफिकेट मिलेगा ।
- भागीदार आसपास के दो युवा (24 वर्ष तक) कोरोना योद्धा की कहानियां अपलोड कर सकते हैं।
- वे इस अभियान के संबंध में आधा मिनट से लेकर दो मिनट तक का रचनात्मक वीडियो बनाकर अपलोड कर सकते हैं। चुने गये वीडियो को पुरस्कृत भी किया जाएगा। इसमें प्रथम पुरस्कार पांच हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार तीन हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार दो हजार रुपये का है। विश्वविद्यालय ने इस अभियान के लिंक को अपनी वेबसाइट पर प्रमुखता से उपलब्ध कराया है। कुलपति प्रो. केजी सुरेश का कहना है कि एमसीयू आरंभ से ही टीकाकरण और कोरोना के प्रति जागरुकता कार्यक्रम चलाता रहा है। साथ ही इस तरह के हरेक रचनात्मक प्रयास में वह सहयोग करता रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसंवाद संस्था और यूनिसेफ, राजस्थान की यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

चार माह से वेतन न मिलने से नाराज भेल ठेका श्रमिकों ने की हड़ताल, प्रदर्शन जारी

भोपाल। देश की महारत्न कंपनी कंपनियों में शुमार भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स (भेल) की भोपाल इकाई में ठेका श्रमिकों ने काम रोको आंदोलन छेड़ दिया है। इन्हें चार महीने से वेतन नहीं मिला है। इससे नाराज होकर श्रमिकों ने गुरुवार से प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन की शुरुआत बुधवार से हो गई थी, लेकिन अधिक संख्या में ठेका श्रमिक नहीं जुट पाए थे। गुरुवार सुबह आठ बजे से ठेका श्रमिकों का भेल के फाउंड्रीगेट-पांच पर जुटना शुरू हो गया। देखते-देखते ही 250 से अधिक ठेका श्रमिक एकित्रत हो गए। भेल प्रबंधन को भीड तितर-बितर करने के लिए पुलिस बुलानी पड़ा। पुलिस ने आकर प्रदर्शन कर रहे ठेका श्रमिकों को समझाइश दी। इसके बाद भी भेल के ठेका श्रमिकों का प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि जिन ठेका श्रमिकों का वेतन ठेकेदारों ने तीन से चार महीने का रोका है, उसे पूरा दिया जाए। वेतन में जो कटौती की गई, उसे भी बहाल किया जाए। भेल ठेका श्रमिक नेता मनोज सिंह जादौन ने बताया कि कोरोना काल में भेल प्रबंधन ने ठेका श्रमिकों के वेतन में कटौती कर दी। ऐसे में ठेकेदारों ने कई ठेका श्रमिकों को वेतन नहीं दिया। जिन्हें दिया, उन्हें भी पूरा नहीं दिया। इससे ठेका श्रमिकों के आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। परिवार का भरण-पोषण करने में दिक्कत हो रही है। भेल प्रबंधन के फैसले के बाद ठेका श्रमिकों के वेतन में 2500 रुपये तक की कटौती की गई है। इस फैसले को जल्द वापस लिया जाना चाहिए। ठेका श्रमिकों के साथ वेतन देने में भेदभाव नहीं किया जाए। ऐसे ठेकेदार जो ठेका श्रमिकों को नौकरी देते हैं, उन?हें भी श्रमिकों को पूरा वेतन दिलाने के लिए भेल प्रबंधन के समक्ष मांग रखनी चाहिए।

कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण का मध्य प्रदेश मॉडल अन्य राज्यों को दिखा सकता है राह

भोपाल। कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने का मध्य प्रदेश मॉडल देश के अन्य राज्यों को भी राह दिखा सकता है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात में कोरोना पर काबू के लिए राज्य में किए गए अभिनव प्रयोगों की जानकारी दी। यह बताया कि संक्रमण की कड़ी (चेन) तोड़ने के लिए सारे फैसले जिला से लेकर ग्राम स्तरीय आपदा प्रबंधन समूहों ने लिए और उनका क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करवाया। अब तय किया गया है कि ये समूह आगे भी काम करते रहेंगे। इनका उपयोग अब टीकाकरण अभियान में किया जाएगा। अन्य योजनाओं के लिए ये काम करते रहेंगे। शिवराज सिंह ने प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद कहा कि प्रदेश में कोरोना संकट के दौरान फैसले आपदा प्रबंधन समूहों के माध्यम से लिए जाने का असर यह हुआ कि इसके सदस्य क्रियान्वयन में सहयोगी की भूमिका में रहे। जन जागरूकता का काम इन्होंने किया। इस तरह संक्रमण को नियंत्रित करने में कामयाबी मिली। तीसरी लहर को रोकने के लिए पूरी ताकत से जुटे हैं।

- योग से निरोग अभियान के माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम किया गया।

उपचार और सहायता के लिए भी योजनाएं

कोरोना के उपचार की दरों को नियंत्रित करने की व्यवस्था करने के साथ मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना लागू करके आयुष्मान भारत योजना के कार्डधारकों को निश्शुल्क इलाज की व्यवस्था लागू की गई। कोरोना से दिवंगत कर्मचारियों के स्वजनों को अनुकंपा नियुक्ति और विशेष अनुग्रह राशि देने की योजना लागू की जा चुकी है। वहीं, कोरोना की वजह से जो बच्चे अनाथ हो गए हैं, उन्हें आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ शिक्षा और निश्शुल्क राशन की व्यवस्था भी सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों का कहना है कि सभी राज्य एक-दूसरे के संपर्क में हैं और जो कदम हमने उठाए हैं, उनकी जानकारी भी दे दी है।

ऐसा है मॉडल

प्रदेश सरकार ने संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए जिला, विकासखंड, ग्राम और वार्ड स्तर पर आपदा प्रबंधन समूहों का गठन किया था।इनकी लगातार बैठकें करके मास्क का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, रोको-टोको अभियान चलाने, शारीरिक दूरी का पालन करने और टीका लगवाने के लिए व्यक्तियों को प्रेरित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने के लिए प्रतिबंध का स्वरूप भी आम सहमति से तय किया गया। होम आइसोलेशन व्यवस्था को पुख्ता बनाने के लिए कमांड सेंटर बनाकर इसकी व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया। इससे संक्रमण की कड़ी तोड़ने में काफी मदद मिली।

शहर में 242 मकान अति जर्जर श्रेणी में

भोपाल। राजधानी में सैकड़ों जर्जर मकान हैं लेकिन पिछले पांच सालों से इन जर्जर मकानों का सर्वे नहीं हो पाया है। अब जरा सी बारिश होने पर बिल्डिंग गिरने से हादसा होने का खतरा है। दरअसल, पिछले पांच साल से बारिश से पहले निगम जर्जर मकान के मालिकों को नोटिस जारी करता रहा है, लेकिन विगत दो सालों से कार्रवाई भी नहीं हुई है। निगम कमिश्नर मकान गिरने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने के लिए निर्देश देते हैं, लेकिन इस साल यह कवायद भी नहीं हुई है। पुरानी जर्जर इमारतों के मामले में सबसे ज्यादा इमारतें पुराने शहर के हिस्से में हैं। यहां 100 साल से भी ज्यादा पुरानी इमारतें हैं। पीर गेट, जुमेराती, हमीदिया रोड, चौक बाजार, इकबाल मैदान, इमामी गेट का नाम डेंजर जोन्स में शामिल हैं। यहां सबसे ज्यादा जर्जर इमारतें हैं। सबसे ज्यादा खतरा भी इन्हीं इलाकों में है, क्योंकि ये सभी इलाके बहुत भीड़भाड़ वाले हैं। राजधानी में ऐसे मकानों की संख्या 10-20 नहीं, बल्कि 300 से भी ज्यादा है, जो बुरी तरह जर्जर हैं। हालांकि नगर निगम ने इनमें से 242 मकानों को जर्जर घोषित किया है। इनकी स्थिति अब गिरे-तब गिरे वाली है। कोई हादसा हुआ तो एक दो नहीं, बल्कि कई जानों पर ये जर्जर भवन भारी पड़ सकते हैं। बता दें कि मानसून आते ही नगर निगम को इस विगत सालों में हुए हादसों से सबक लेते हुए जर्जर भवनों के खिलाफ कार्रवाई करना शुरू कर देना चाहिए लेकिन अंतिम बार निगम ने नवंबर 2012 की दरमियानी रात सांई नगर में टंकी ढहने के हादसे के बाद जनवरी 2013 में ही शहर में मौजूद जर्जर मकानों की सूची तैयार की थी। अब चार साल बाद भी जर्जर मकानों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इन जर्जर मकानों पर अब तक कार्रवाई न किए जाने को लेकर निगम के जिम्मेदारों का कहना है कि 60 फीसद मकानों को ढहाने की कार्रवाई इसलिए शुरू नहीं हो पाती कि उन्हें न गिराने के लिए दबाब बनाया जाता है। जबकि 40 फीसदी

मकान विवादित संपत्ति की श्रेणी में आते हैं। बता दें कि अगस्त 2014 में भी एक जर्जर मकान के गिरने से नगर निगम कर्मचारी की मौत का मामला सामने आया था। बारिश के दिनों में दुर्गा चौक स्थित गली नंबर एक में परितोष वर्मा के मकान का जर्जर हिस्सा सुबह करीब साढ़े सात बजे अचानक ढह गया। इसके मलबे में दबकर कर्मचारी की मौत हो गई थी।

इन्हें है गिराने की तैयारी

पांच नंबर मार्केट के ऊपर बने तीन मंजिला जर्जर भवन में 30 से ज्यादा परिवार रह रहे हैं। ओल्ड सुभाष नगर में ब्लॉक 35 और 36 जर्जर घोषित किया जा चुका है। यहां करीब 30 परिवार रहते हैं। हमीदिया रोड स्थित नगर निगम की दोमंजिला होटल टूरिस्ट की इमारत जर्जर हो चुकी है। नेहरू नगर में एक इमारत है जनता क्वार्टर्स धोबी घाट की बिल्डिंग,शाहजहांनाबाद की की बिल्डिंग

मकान मालिकों को नोटिस जारी किया जा रहा है। जो अति जर्जर की श्रेणी में उन पर कार्रवाई करने की तैयारियां चल रही है। नेहरू नगर की एक बिल्डिंग को गिराया जाएगा इसके लिए दो दिन का समय दिया गया है। इसी तरह अति आवश्यक होने पर इन जर्जर बिल्डिंगों पर कार्रवाई की जाएगी। **-एमपी सिंह, अपर आयुक्त, नगर निगम**

भोपाल। बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने के मामले में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उप महाप्रबंधक (एसटीसी) संभाग

बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ा, विद्युत वितरण कंपनी उप महाप्रबंधक निलंबित

विदिशा जीएल सिंह को निलंबित कर दिया है जबकि नशे में वाहन चलाने के मामले में वाहन चालक की सेवा समाप्त कर दी है। चालक ने दो लोगों पर वाहन चढ़ा दिया था। इससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। घटना सोमवार रात भानपुर रेलवे पुल (भोपाल) के नजदीक घटी। उधर, निलंबित किए गए उप महाप्रबंधक का कहना है कि दुर्घटना के वक्त वे वाहन में सवार नहीं थे। कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक उप महाप्रबंधक अनुबंधित वाहन से सोमवार रात विदिशा से भोपाल लौट रहे थे। चालक शराब के नशे में धुत्त होकर वाहन चला रहा था। इस दौरान वाहन दो लोगों पर चढ़ गया और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर कंपनी ने वाहन चालक की सेवा समाप्त कर दी। वहीं उप महाप्रबंधक जीएल सिंह को बगैर पूर्व अनुमति मुख्यालय छोड़ने के लिए जिम्मेदार मानते हुए निलंबित किया है। हालांकि जीएल सिंह का अलग ही कहना है। वे बताते हैं कि जिस समय दुर्घटना हुई, वे वाहन में नहीं थे। बल्कि उस दिन तेज हवा के कारण सिरोंज क्षेत्र में बड़ी संख्या में बिजली के खंभे गिर गए थे। उन्हें दुरुस्त कर बिजली आपूर्ति शुरू कराने में व्यस्त थे। वे बताते हैं कि चालक वाहन में सुधार कार्य की अनुमति लेकर अकेला वाहन सहित भोपाल गया था। जब रात करीब साढ़े 10 बजे उसका फोन आया, तब मुझे दुर्घटना के बारे में पता चला।

पश्चिम मध्य रेल ने ट्रैक वेल्डिंग में किया अभूतपूर्व सुधार

जबलपुर ,यश भारत। भारतीय रेलवे पर ट्रैक की सुरक्षा और विश्वसनीयता में सुधार के लिए रेल की वेल्डिंग एक महत्वपूर्ण कारक रही है। भारतीय रेलवे एटी वेल्डिंग की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए काफी समय से प्रयासरत था। वर्तमान में भारतीय रेलवे नेटवर्क पर लंबे समय से इस्तेमाल की जा रही ट्रैक लंबी वेल्डिंग की कार्य प्रणाली में सुधार लाने हेतु रेलवे बोर्ड अधिक ध्यान दिया जा रहा था। जिसके परिणाम स्वरूप अब उच्च तकनीक सिंगल शॉट वेल्डिंग प्रणाली का प्रयोग करके ट्रैक की संरक्षा को और अधिक मजबूती प्रदान की गयी है। इस वेल्डिंग की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता ट्रैक की गति वहन क्षमता को ब?ाता है।महाप्रबंधक शैलेंद्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एवं प्रमुख मुख्य अभियंता ए. के. पाण्डेय और मुख्य रेल पथ अभियंता राजेश अरोरा के निर्देशन तथा तीनों मण्डलों की इंजीनिरिंग विभाग के नेतृत्व मेंपश्चिम मध्य रेल ने दो चरणों की कार्ययोजना बनाई। प्रथम चरण में उन्नयन और बुनियादी ढांचे के सुधार और दूसरे चरण में गहन निगरानी और प्रक्रियात्मक परिवर्तन के लिए तैयार की कार्ययोजना को शुरू किया। दो चरणों में पश्चिम मध्य रेल द्वारा अपनाई जा रही वेल्डिंग पद्धति में निम्नलिखित उपाय शामिल किये गये - बुनियादी ढांचे में सुधार- ग्लिसरीन से भरे प्रेशर गेज नयी तकनीक का प्रयोग किया गया और सही वेल्डिंग पैरामीटर सुनिश्चित किया। डिजिटल थर्मल (इंफ्रा-रेड लेजर) थर्मामीटर से सटीक तापमान के माप के लिए अपनाया गया। उच्च गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित किया और वेल्डर प्रदर्शन का मूल्याकंन किया। उपकरण की पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए वेल्डर टूल बॉक्स बनाए गया है। वेल्डिंग अनुसूची का मानकीकरण किया गया।

प्रतिवर्ष बचाये 12 करोड़ रूपये

गुणवत्ता सुनिश्चित करने और बेहतर गुणवत्ता के लिए वेल्डरों को सक्षम बनाने के लिए प्रक्षिक्षण योजना तैयार की गई। सूचना और गुणवत्ता नियंत्रण विधियों/ तकनीकों/ नवाचारों के प्रसार के लिए वेल्डिंग सेमिनार किया गया। **2) गहन निगरानी और प्रक्रियात्मक परिवर्तन-** वेल्डिंग की गुणवत्ता के लिए इनको 05 श्रेणी में वर्गीकरण किया। सभी सहायक मण्डल अभियंता वेल्ड की गुणवत्ता और उच्च श्रेणी वर्गीकरण में वेल्डिंग करने के लिए प्रकिया आदेश जारी किये। किसी भी सीमा रेखा और खराब गुणवत्ता वाले वेल्ड की सख्त निगरानी की गई और उसी में सुधार के लिए आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की गई। ट्रैक प्रबंधन प्रणाली में संशोधन किया गया और गहन निगरानी का लाभ उठाया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वेल्डर्स को प्रमाणपत्र एक प्रेरक प्रोत्साहन के रूप में दिया गया और अन्य लोगों को प्रेरित किया गया कि भी अपेक्षित गुणवत्ता मानदंडों को बढ़ाएं।पश्चिम मध्य रेलवे उपरोक्त दो चरणों में अच्छे वेल्डिंग क्वालिटी में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब पमरे में उच्च क्वालिटी के वेल्डिंग का प्रदर्शन जहाँ 2016-18 में 81.67प्रश था वही अब 2020-21 में 99.96प्रश हो गया। जो भारतीय रेलवे को सर्वश्रेष्ठ ट्रैक वेल्डिंग प्रदर्शन है जिसे माननीय रेल मंत्री और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान पश्चिम मध्य रेल की सराहना की गई एवं अवॉर्ड से सम्मानित किया। वेल्डिंग तकनीकी में सुधार ने मुख्यालय के ट्रैक इंजीनियर और डिवीजन वेल्डिंग स्टाफ के साथ-साथ डिवीजन के भारी प्रयासों को शामिल किया है जिससे दिनों दिन एटी वेल्डिंग की गुणवत्ता प्रक्रिया में सुधार हुआ है।

पनागर विधानसभा को मिली दो एंबुलेंस की सौगात

पनागर ।राज्यसभा सांसद विवेक तंखा के द्वारा वरिष्ठ नेता सम्मति सैनी के आग्रह पर पनागर स्वास्थ्य केंद्र एवं बरेला स्वास्थ्य केंद्र को ऑक्सीजन एंबुलेंस प्रदान की जिसमें पनागर को ऑटो एंबुलेंस एवं बरेला को बड़ी एंबुलेंस सर्व सुविधा युक्त प्रदान की गई कांग्रेस वरिष्ठ नेता सम्मति सैनी के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष विमल जैन अरविंद तिवारी मनीष पटेल मुकेश सोनी तुलसी कुशवाहा महेंद्र चक्रवर्ती रामू मिश्रा मनोज पहलवान दिनेश सोनी सुरेश नामदेव राजेश ठाकुर सीताराम कुशवाहा अहमद खान जितेंद्र चौरसिया अंकित पटेल विशन सिंह सहित कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने श्री तनखा से मुलाकात की एवं एंबुलेंस के अभाव को अवगत कराया इस समस्या को देखते हुए श्री तंखा द्वारा 10 लाख की लागत में दो वाहन दिए गए सकरी गलियों से मरीजों को लाया जा सके इसलिए पनागर को ओटो एंबुलेंस एवं बरेला को बड़ी एंबुलेंस प्रदान की गई पनागर एवं बरेला के आम जनों ने राज्यसभा सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया है।

एक दर्जन स्टेशनों पर व्हीकल प्रमोशनल के लिए रेलवे ने निविदा बुलाई

जबलपुर ,यशभारत। जबलपुर रेल मंडल के 12 मुख्य स्टेशनों पर अब कार एवं टू व्हीलर, व्हीकल के सेल प्रमोशन एवम प्रचार के लिए मंडल के वाणिज्य विभाग ने वाहन कम्पनीयो, स्थानीय डीलरों एवं अन्य फर्मो से निविदा के माध्यम से प्रस्ताव आमंत्रित किये है जिसके तहत वे रेलवे द्वारा उन्हें रेलवे स्टेशन पर 200 वर्ग फीट पर अपने वाहनों के सेल प्रमोशन कार्य करने की अनुमति दी जाएगी।

यह है रेलवे स्टेशन

इस सम्बन्ध में मंडल वाणिज्य प्रबंधक देवेश सोनी ने बताया कि मंडल के 12 प्रमुख स्टेशनों जबलपुर,मदन महल, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, कटनी, कटनी मुडवारा, दमोह, सागर, मैहर, सतना, रीवा स्टेशनों पर वाहन कम्पनी या डीलर्स अपना डिस्प्ले शोकेस बनाकर वाहन को डिस्प्ले करने, ग्राहक के डेमो आदि का कार्य 24 घंटे कर सकेगे।रेलवे का मानना है कि रेलवे स्टेशन सर्वाधिक आई केचिंग एवं भी? के स्थान होते है और यात्री फुर्सत में यहाँ वाहन के सम्बन्ध में इन्कवारी करने,बुक करने एवं डिलेवरी लेने के लिए उपलब्ध रहेगे. इस स्थिति को देखते हुए रेलवे बोर्ड ने सभी मंडलों को स्टेशनों के खाली क्षेत्र से आय बढ़ाने के निर्देश दिए है. इस स्थिति में जबलपुर मंडल द्वारा पश्चिम मध्य रेल में इस तरह की यह पहली निविदा आमंत्रित की है. इसके तहत 22 जून तक कोई भी पार्टी आन लाईन निविदा में भाग ले सकती है. रेलवे ने सभी 12 स्टेशनों पर सेल्स एंड प्रमोशनल एक्टिविटी आफ व्हीकल्स के नाम पर उक्त कार्य के लिए न्यूनतम राशि 12 लाख 20 हजार रूपये प्रति वर्ष की लायसेंस फीस निर्धारित की है जिसके तहत प्रत्येक स्टेशन पर निविदाकार को 200 वर्ग फीट का स्थान प्राप्त होगा।

आशीष पांडे पुनः सिहोरा एसडीएम

सिहोरा- जबलपुर कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने आशीष पांडे को सिहोरा एसडीएम नियुक्त किया है जो कि आज पदभार ग्रहण करेंगे । विदित हो कि श्री पांडे पूर्व में भी सिहोरा एसडीएम रह चुके हैं उनके कार्यकाल में ही राजस्व प्रकरण निपटाने के मामले में सिहोरा तहसील मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान पर रही है उनकी पुनः सिहोरा में पदस्थापना होने पर लोगों में हर्ष व्याप्त है

नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा महिला का किया गया अंतिम संस्कार

डोला। नगर परिषद डोला के वार्ड नं 05 में निवास करने वाली 50 वर्षीय महिला रूपा यादव पति स्वर्गीय शंकर यादव की मौत से पुत्र भारत के सर से उठा माँ व बाप का साया वही प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत के पिता व भाई की मौत पूर्व में ही हो चुकी थी जिसके बाद भारत अपनी माँ के साथ निवास करता था जानकारी लेने पर नगर परिषद के कर्मचारियो द्वारा बताया गया कि महिला विगत कुछ दिनों से बीमार चल रही थी जससे मौत हो गई।

मोहल्ले वालों ने फेरी नजर नगर परिषद ने उठाया अंतिम संस्कार का जिम्मा शनिवार की सुबह तकरीबन 11 बजे ग्रामीणों द्वारा नगर परिषद के कर्मचारियों को जानकारी दी गई कि एक महिला की मौत हो चुकी हैं व उस महिला का 13 वर्ष का बेटा है जो घबराया हुआ है जिस पर नगर परिषद के कर्मचारी द्वारा डोला प्रभारी सीएमओ राजेन्द्र कुशवाहा को जानकारी दी गई व उनसे मार्गदर्शन प्राप्त कर वन विभाग झिरियाटोला से अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी मंगाकर कर महिला का अंतिम संस्कार किया गया।

कोरोना गाईड लाइन के तहत किया गया महिला का अंतिम संस्कार नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा कोरोना को देखते हुए मौके पर पीपीई किट पहनकर महिला को दाहसंस्कार के लिए ले जाया गया जहाँ नगर परिषद के कर्मचारियों में राजकिशोर शर्मा,बलदेव सिंह धर्मेंद्र पांडे,अशोक यादव,जीतू नाहर,विक्की नाहर,पप्पू नाहर सुरेंद्र संनकत,शिवाकांत अनुज नाहर व अन्य कई नगर परिषद के के सदस्यों की मौजूदगी में 13 वार्षिय बेटे भारत के द्वारा माँ का अंतिम संस्कार किया गया।

अधिकारियों की बड़ी लापरवाही

चचाई में ब्लास्ट होते-होते बचा प्लांट

चचाई । प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरकंटक ताप विद्युत गृह के प्रथम फ्लोर के 210 मेगा वाट मेन ऑयल टैंक कई दिनों से लीकेज था जोकि धीरे-धीरे जाकर आयल हाइलोजन बल्ब में पड़ा जिससे बल्ब फूट गया उसी से शॉर्ट सर्किट हुआ जो आग का रूप धारण कर लिया और इतनी भीषण आग लगी कि दो दो दमकल आग में काबू नहीं पा रहे थे हजारों लोगों का जीवन दाव पर लगा था पर इतनी बड़ी लापरवाही कई दिनों से अमरकंटक ताप विद्युत गृह के अंदर चल रहा था आयल टैंक लीक होने से मंडल को लाखों करोड़ों का नुकसान हो रहा था परंतु अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे थे क्योंकि वह तो बिना यूनिट ट्रिप हुए 150 दिन चल गया जिससे वह एक दूसरे को बधाई देते घूम रहे थे पर ऑयल टैंक लीकेज था ना मुख्य अभियंता निर्मल कुमार तिवारी ध्यान दे रहे थे और ना ही ऑपरेशन अधीक्षण अभियंता एसके दुबे दे रहे थे।

इतनी बड़ी लापरवाही को देखते हुए भी एमडी जबलपुर मनजीत सिंह समाचार पत्रों में ऊर्जा मंत्री के साथ सुर्खियां बटोर रहे थे तो ध्यान कहां से दे पूर्व में इससे पहले भी इसी तरह की लापरवाही से 120 जलकर ब्लास्ट हो गया पर अधिकारी उससे भी सीख नहीं लिए कि हमारा प्लांट अच्छा खासा चल रहा था और ब्लास्ट हो गया जिससे मंडल एवं शासन को कई करोड़ों का नुकसान पहुंचा था फिर इतना बड़ा नुकसान होने के बावजूद भी अधिकारी बेपरवाह होकर कार्य कर रहे थे की 150 दिन बिना यूनिट ट्रिप हुए चल गया उसकी बधाइयां बांटते फिर रहे थे।

आज दिनांक 16 जून 2021 को लगभग 10-30 बजे आग लगने से मंडल को फिर से करोड़ों की तादाद में नुकसान हुआ जिससे यह एक जांच का विषय है जोकि चचाई पावर प्लांट की अधिकारी संदेहके कटघरे में है।

अब देखना यह है कि जबलपुर में बैठे अधिकारी इन लापरवाह के ऊपर कार्रवाई करते हैं या हल्की फुल्की डांट फटकार लगाकर उन्हें बख्श देते हैं जबकि इतनी बड़ी लापरवाही है कि हजारों लेबर अपनी दो वक्त की रोटी के लिए अपनी जीवन दांव पर लगाकर टरबाइन में साफ सफाई करते हैं एवं कई अधिकारी भी रहते हैं जिससे आज उनकी जान बाल बाल बचे भगवान ना करें कि कभी ऐसी घटना घटी पर इन लापरवाह अधिकारी कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि यह तो अपनी सुर्खियां बटोरने में लगे रहते हैं।

बरौनी - गोंदिया ट्रेन रुट परिवर्तन पर सांसद ने जताई आपत्ति

अनूपपुर , शहडोल - अनूपपुर - बिलासपुर होकर बरौनी - गोंदिया ट्रेन का रुट अचानक बदल दिये जाने से इस क्षेत्र के हजारों यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने रेल मंत्री एवं महाप्रबंधक को पत्र लिख कर उक्त ट्रेन रुट बदलने पर आपत्ति करते हुए ट्रेन का परिचालन कटनी - अनूपपुर- बिलासपुर रुट से रखने की मांग की है।

पूरे कोरोना-काल में अब तक निर्विवाद रहा है बिजुरी थाना

अनूपपुर। बीते कुछ माह से कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते प्रभाव को देखते हुऐ जिला कलेक्टर अनूपपुर द्वारा समूचे जिलेभर में कुछ रियायतों के साथ लॉक डाऊन घोषित किया गया था। जो अब भी कुछ हद तक जारी है। इस दौरान जिलेभर के भिन्न-भिन्न थाना क्षेत्रों में पदस्थ यदा-कदा पुलिसकर्मियों के अमानवीय चेहरे भी सर्व-समक्ष आते रहे है। जो प्रशासनिक दिशा निर्देशों का पालन कराने के नाम पर लोगों को पीटना, सब्जी विक्रेताओं सहित पथ विक्रेताओं के गाड़ियों पर लात मारना, पलटा देना, गाली गलौज करना जैसे विभिन्न प्रकार के कारनामों को अंजाम देकर पुलिस प्रशासन कि छवि मटियामेट करने में रमे रहे। जिससे कोरोना से कहीं अधिक इन अमानवीय कृत्य-कर्मियों का खौफ लोगों के जहन में अब तक बैठा है। ऐसे कयी परिवार मौजूद हैं। जो उन दिनों को स्मरण कर अब भी रो-पड़ते हैं। और प्रशासन सहित उन तमाम जनप्रतिनिधियों को कोसते हैं। जो लोगों के लिऐ हर समय मौजूद होने का दम्भ भरते हैं।वहीं पूरे मामले में जिला अन्तर्गत बिजुरी थाना-क्षेत्र अन्य थानों कि अपेक्षा पूरी तरह से निर्विवाद रहा है। यहां पदस्थ थाना-प्रभारी ने अब तक एक कुशल पुलिसकर्मी कि भूमिका निभायी जो काबिले तारीफ है। जिन्होने नियमों के दायरे में रहकर अधीनस्थ कर्मियों सहित लोगों में तालमेल बनाया। और संभ्रात-कर्मी कि तरह पेश आकर लोगों से शांति पूर्वक प्रशासनिक नियमों का पालन भी कराया। यद-कदा कुछ ऐसे लोग भी मिले जिन्हे प्रशासनिक नियमों का पालन कराने के लिऐ चालान काटना पडा़, और दुकानदारों कि दुकानें भी सील करनी पडी़ किन्तु इन सब के बाद भी क्षेत्र में थाना प्रभारी सहित किसी भी पुलिसकर्मी का किसी प्रकार का अमानवीय कृत्य सामने नही आया। जो निश्चिततौर पर उन थाना-क्षेत्रों के लिऐ मिशाल है। जहां के पुलिस कर्मी लोगों में कानून का पालन कराने के लिऐ खुद कानून कि हद पार कर देते हैं। और वर्दी पहनने के बाद स्वयं को किसी सुल्तान मिर्जा से कम नही आंकते।

इनका कहना है

हमारे उच्च अधिकारियों द्वारा समय-समय पर हमें जैसा निर्देश मिलता गया हम उन्ही निर्देशों का पालन करते हुऐ। कार्य किऐ जगह-जगह पेट्रोलिंग कर एवं लोगों तक शासकीय दिशा-निर्देशों को पहुंचाया। इसी वजह से बिजुरी थाना क्षेत्र पूरी तरह से निर्विवाद रहा।

सुमित कौशिक
थाना प्रभारी

बच्चों ने लिया अनेक गतिविधियों में हिस्सा

सिहोरा।स्वसेवा संयोजन समिति सिहोरा के तत्वावधान में विगत दिनो से आयोजित आनलाइन बाल संस्कार शिविर के अंतर्गत सभी संस्था के सदस्यों ने अपनी अपनी रुचि के विषय में बाल इकाई के बच्चों को गहन जानकारी दी और वैदिक संस्कारों के प्रति जागरूक किया । प्रथम दिवस बच्चों ने मंत्रोच्चारण के साथ महामृत्युंजय, गायत्री, सूर्य मंत्र सुनाया जिसके अर्थ गायन प्रशिक्षण पूनम श्रीवास्तव ने दिया । दूसरे दिन पटना से शामिल हुई समिति की वरिष्ठ सदस्य सुधा पांडे ने बच्चों को योग का हमारे जीवन मे महत्व विषय पर प्रकाश डाला एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास इंदौर से विनीता शर्मा के द्वारा कराया गया मोटीवेशनल स्टोरी सारिका साहू के द्वारा सुनाई गई। खरगौन से रजनी उपाध्याय द्वारा खाली बाटलो से सुंदर गमले बनाने एवं पौधे रोपित करना बीज एवं कलम से पौधे तैयार करने की जानकारी दी गई। डा.अरुणा पांडे,राजरानी शर्मा ग्वालियर, रेवती राव जबलपुर, विभा भटोरे ,भावना बर्वे ,कराटे एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता सभी अतिथियों ने बच्चों को प्रेरणा दायी संबोधन दिया। समापन दिवस पर बच्चों ने उत्साह पूर्वक फायरलेश कुकिंग, पेंटिंग गीत संगीत कहानियां आर्ट एंड क्राफ्ट जैसी कई गतिविधियों में अदिति मिश्रा, खुशी साहू अक्षांश साहू,अगम मोयदे ,दिव्यांशी साहू ,सान्वी श्रीवास्तव, आदीश जैन ,शिखा पटेल, नूतन ,अंशिका ,आराध्या सिंह ,आराध्या गुप्ता ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर मस्कट से टेकू वासवानी इंदौर से राजश्री शर्मा जबलपुर संस्था की अध्यक्ष सुषमा सिंह कचुंली, लाडो अभियान जबलपुर की ब्रांड एंबेसडर उन्नति तिवारी उपस्थित थे। बाल संस्कार शिविर का संयोजन दीप्ति जैन एवं मंजू मिश्रा के द्वारा किया गया।रुप रेखा रश्मि सेठी और सुषमा खरे के द्वारा तैयार की गई संचालन आकर्ष जैन एवं मृदला जैन ने किया ।

ऑनलाइन बाल संस्कार शिविर का समापन

महज 700 रुपए के लिए दाग दी ग्रामीण पर गोली

गोटेगांव। नगर से 5 किलोमीटर दूर ग्राम कमोद में विगत मंगलवार की बीती रात में गोली चालन का मामला प्रकाश में आया है।पुलिस थाना से जानकारी के अनुसार ग्राम कमोद में रामा चौधरी एवं प्रभात चौधरी ने मनोहर चौधरी उम्र 19 वर्ष पर गोली चला दी जिससे मनोहर चौधरी निवासी ग्राम कमोद घायल हो गया।घायल मनोहर चौधरी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 356/21 धारा 294,323,307,34 के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना की तह में पैसे का लेनदेन बताया जा रहा है।

ओव्हर फ्लो हो रही नालियाँ सड़के बन रही तालाब

फनवानी। बरसात का मौसम शुरू होते ही लोगों को परेशानिया बढ़ने लगीं है कहीं नालियाँ चोक है तो कहीं पानी निकासी के लिये डाले गये छोटे पाईप जिनसे केवल घरेलू निस्तार का पानी ही निकल सकता है इस वजह से लोग परेसान हो रहे हैं ऐसा ही कुछ ग्राम पंचायत के गांव खम्हारिया मे हुआ यहाँ के रघुवर पटैल व शिवदीन सिंह ने बताया कि बरसात होने पर उनके घरों मे पानी नालियों से न निकल पाने की वजह से घरों मे घुसने लगता है उनका कहना है कि पानी की निकासी के लिये पंचायत ने जो पाईप डाले है वो बहुत छोटे है जिसकी वजह से पानी ठीक से निकल नही पाता लोगों का कहना है कि यहाँ जब छोटे पाईप डाले जा रहे थे तब उन्होने बड़े पाईप डाले जाने की माँग की थी मगर उन्हे बाद मे पाईप बदले जाने का बोलकर दोबारा इस ओर किसी ने देखने की जरूरत नही समझी इसकी शिकायत पीड़ितों ने सीएम हेल्पलाईन मे करके यहाँ शीघ्र सुधार कार्य किये जाने की माँग जिम्मेदारों से की है।

झोलाछाप डॉक्टर पर गिरी गाज क्लीनिक किया सील

बघराजी। कोरोना संक्रमण काल में झोलाछाप डॉक्टर सर्दी, खांसी और बुखार वाले मरीजों का इलाज कर रहे हैं। जिसमें झोलाछाप डॉक्टर इन दिनों मोटी रकम लोगों से वसूल कर रहा था और लोगों को गलत दवाई भी दे रहा था जिस पर तहसीलदार ने मौके पर पहुंच कर उन्होंने क्लीनिक में रखी हजारों रुपए की दवाइयां बोतलें जप्त कर ली बुधवार को अंजन बक्शी पिता चितरंजन बक्शी की क्लीनिकों पर तहसीलदार एवं राजस्व विभाग ने कार्रवाई करते हुए सील कर दिया है। एवं नोटिस जारी किया गया जांच में सामने आया कि झोलाछाप डॉक्टर तो बिना डिग्री और स्वास्थ्य विभाग की बिना अनुमति के क्लीनिक का संचालन कर रहा था। तहसीलदार प्रदीप कौरव ने बताया कि क्लीनिक को सील किया गया है, डॉक्टर को नोटिस जारी कर दिया गया है तथा उन्हें क्लीनिक खोलने की स्वास्थ्य विभाग की अनुमति तथा डॉक्टर की पढाई संबंधी दस्तावेजों की जांच की गई। जिसमें क्लीनिक संचालक अंजन बक्सी के द्वारा दस्तावेज पेश नहीं कर पाए इसके बाद क्लीनिक को सील कर दिया गया है। जांचदल का नेतृत्व कर रहे तहसीलदार प्रदीप कौरव ने बताया कि दशरथधार बड़गैंया एवं भूरा सिंह के द्वारा आवेदन दिया गया था जिसमें अवैध रूप मोटी रकम वसूला जा रहा है एवं अवैध रूप से क्लीनिक संचालित हो रही हैं ।जांच दल में तहसीलदार प्रदीप कौरव पुलिस चौकी प्रभारी आरती मंडलोई राजस्व हल्का पटवारी संदीप यादव कोटवार नरेश दहिया कोटवार चुन्नी लाल यादव सिपाही लखन सिंह मरावी एवं पत्रकार बंधु आदि मौजूद रहे।

वेक्सीनेशन को लेकर विधायक एवं जिला पंचायत सीईओ ने किया दौरा

कुण्डम । ग्राम पंचायत कुण्डम में सिहोरा विधायक नंदनी मरावी के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री रिजु बाफना द्वारा वेक्सीनेशन के लिए घर-घर जाकर समझाईश देकर लोगों को जागरूक किया गया। ज्ञात हो कि वंशकार मोहल्ला कुण्डम में वेक्सीनेशन का प्रतिशत सबसे कम था, जिसके कारण उन्होने उन क्षेत्रों का भ्रमण हेतु चयन किया गया। भ्रमण के दौरान दुकानदारों को समझाईश देते हुये कहा गया कि वे अपने प्रतिष्ठाभनों के सामने दपती लगाकर लिखे कि मेरा एवं मेरे परिवार का टीकाकरण हो चुका है। जागरूगता अभियान के दौरान गांव-बस्ती के लोगों को भी समझाईश दी गई कि अफवाहों से बचें एवं अपने एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण अनिवार्य रूप से करायें जिला पंचायत सीईओ ने तुरंत मौके पर आंगनवाड़ी केन्द्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम बुलाकर वेक्सीनेशन का कार्य वंशकार मोहल्ले में ही प्रारंभ करवाया । समझाईश के बाद वेक्सीनेशन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी जिसके बाद शाम तक वंशकार मोहल्ला में 80 लोगों का टीकाकरण कराया गया। भ्रमण के दौरान सांसद प्रतिनिधि श्री सतीष अवस्थी विधायक प्रतिनिधि कमलेश साहू, तहसीलदार श्री प्रदीप कौरव, जनपद सीईओ श्री ओंकार सिंह ठाकुर, बीएमओ श्री सोनू शर्मा, सहायक यंत्री श्री मुकेश वर्मा एवं अन्य अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे, कुण्डम ग्राम में समझाईस देने के उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री रिजु बाफना एवं अन्य अधिकारी गण वेक्सीनेशन सेन्टर चौरईकला का भ्रमण किया गया, मौके पर उनके द्वारा दुकानदारों को समझाईश दी कि पूरे परिवार का टीकाकरण अतिआवश्यगक है, साथ ही दुकान के बाहर टीकाकरण पूरे परिवार का हो गया प्रमाण पत्र चस्पाँ करने के निर्देश दिये गये। साथ ही जबलपुर, शहपुरा, निवास के बाहर से आये व्यापारियों को मौके पर निर्देशित किया गया कि अपने साथ वेक्सीनेशन प्रमाण पत्र साथ में रखें अन्यथा अगली बार दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जावेगी। मौके पर चौरईकला सेंटर में शत-प्रतिशत लक्ष्य 52 लोगों का टीकाकरण कराया गया, चौरईकला के आदिवासी नीचे मोहल्ला चौरईखुर्द जहां सबसे कम वेक्सीनेशन हुआ था उस वार्ड में जाकर लोगों को टीकाकरण के संबंध में जागरूक कर समझाईश दी गई कि तीसरी लहर से बचने के लिए अभिभावक अनिवार्य रूप टीकाकरण करवायें, मौके पर जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन समिति के सदस्यों एवं अजीविका स्वन सहायता समूहों के सदस्यों को निर्देश दिये गये कि आज रात्रि में चौपाल लगाकर ग्रामीणों को वेक्शीनेशन के लिए जागरूक कर शत-प्रतिशत टीकाकरण करवाया जाये।

नगर परिषद बकहो क्षेत्र में सुचारू ढंग से चल रही है पेयजल व्यवस्था

अमलाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर परिषद बकहो में पेयजल व्यवस्था सुचारू ढंग से चल रही है और पेयजल व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने नगर परिषद के सीएमओ जयदेव दीपांकर के मार्गदर्शन में पेयजल कर्मचारी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं बताया जाता है कि नगर परिषद बकहो के अंतर्गत 15 वार्ड हैं जिसमें कई वार्ड ओरियंट पेपर मिल कॉलोनी के अंतर्गत आते हैं वार्ड क्रमांक 1 से लेकर 15 में पेयजल के लिए नगर परिषद कार्यालय में संपर्क करने पर तत्काल पानी का टैंकर भेजा जा रहा है और नागरिकों की पेयजल समस्या दूर होती नजर आ रही है बकहो, झगरहा, अमलाई बस्ती, ईटाभट्ठा, रावल मार्केट, स्टेट बैंक के सामने, इंदिरानगर आदि स्थानों में पानी टैंकरों के माध्यम से पेयजल व्यवस्था कराई जा रही है।

नगर परिषद कर रही है पेयजल व्यवस्था

वार्ड 18 मे विकास कार्यों का हुआ भूमि पूजन

शहडोल । नगर पालिका परिषद द्वारा नगर विकास के आयाम में वार्ड नंबर 18 में नालियों का भूमि पूजन 15 जून 20 21 किसको किया गया नगर के वार्ड नंबर 18 में तीन बड़ी नालियों जिसमें शुखसेन चौधरी जी के घर से गुप्ता जी के घर तक, लल्लू गुप्ता जी के घर से दीक्षित जी के घर तक , अनिल प्रताप सिंह जी के घर से पाठक जी के घर तक ,के निर्माण का भूमि पूजन माननीय विधायक श्री जय सिंह मरावी जी मुख्य आतिथ्य व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला कटारे जी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ विशिष्ठ अतिथि नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री कुलदीप निगम नगर पालिका मे सभापति वार्ड पार्षद इंजी संतोष लोहानी रहे नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला कटारे ने ठेकेदारों को समय सीमा एवं गुणवत्तापूर्ण नाली निर्माण कराने के निर्देश भी दिए हैं इस वार्ड में नाली निर्माण हो जाने से वार्ड के लोगों के घरों का एवं आसपास के गंदे जल की निकासी की समस्या निश्चित ही कम हो जाएंगी इस अवसर पर वार्ड वासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला कटारे पार्षद श्री संतोष लोहानी एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री अमित कुमार तिवारी का आभार व्यक्त किया है इस निर्माण कार्य होने से वहां उपस्थित लोगों के चेहरे पर हर्ष की लहर दिखाई दे रही थी।

नगर विकास में बढ़ते कदम नगर पालिका परिषद शहडोल

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अनुपम अनुराग अवस्थी, सभापति श्री गोपाल रत्नम, श्री शीतल पोद्दार ,भाजपा नगर अध्यक्ष श्री सूर्यकांत मिश्रा, श्री अश्वनी शर्मा, श्री अभिषेक चौकसे, श्री राकेश सैनी ,श्री शिल्लू रजक, श्री विभव पांडे ,वार्ड अध्यक्ष श्री कृष्णा शुक्ला, श्री संजय पाठक, श्री शिवकुमार भदौरिया ,श्री वरुण गौतम ,श्री सुख सेन चौधरी ,श्री शोभित पाठक, श्री आदर्श बघेल, सुश्री उषा वस्त्रकर, श्री सोनू माली, श्री राम नारायण मिश्रा ,श्री लल्लू गुप्ता, श्री संदीप साहू, श्री लखन साहू ,श्री भुखन साहू, श्री अरुण साहू ,श्री सुखलाल गौतम, श्री दिनेश तिवारी ,सहित वार्ड के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य नगरपालिका अधिकारी अमित तिवारी,सहायक यंत्री बृजेन्द्र वर्मा, उपयंत्री देवकुमार गुप्ता, उपयंत्री विवेक श्रीवास्तव ,ठेकेदार व वार्ड के गणमान्य नागरिको की उपस्थिति मे संपंन हुआ।।

मरीजों एवं परिजनोंको पूरे महीने मिलेगा भोजन ,नास्ता

जबलपुर। मेडिकल कॉलेज परिसर में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए इंडियन कॉफी हॉउस द्वारा नाश्ते में पोहा और चाय का इंतजाम मोक्ष के साथ सम्मलित प्रयास से किया जा रहा हैं। मोक्ष के आशीष ठाकुर ने बताया कि कॉफी हाउस द्वारा नियमित रूप बीते 15 दिनों से की गई भोजन की व्यवस्था को पूरे माह के लिए बढ़ा दिया गया हैं ।मेडिकल कॉलेज परिसर में जरूरतमंद लोगों के लिए एक बड़ा सहारा हो गया है.हालांकि सीमित साधनों में दशकों से मोक्ष एवं संस्कारधानी के सहयोगी दशकों से मोक्ष मानव सेवा एवं जन उत्थान समीती के माध्यम से अस्पतालों और सड़कों पर निराश्रित जनों कि सेवा अनवरत जारी हैं ।कॉफी हाउस के साथ टीम इसमें सैट नारबर्ट चर्च द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है। मोक्ष कार्यकर्ताओं के सहयोग से अस्पताल की ओल्ड बिल्डिंग और सुपर मेडिकल बिल्डिंग में उपस्थित सभी जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ मिल रहा हैं । गत दिवस सिवनी के एक मजूदर के नवजात का अंतिम संस्कार मोक्ष ने किया।

सूचना

यशभारत समाचार पत्र में प्रकाशित हाने वाले विविध विज्ञापनों के लेखों की जांच पड़ताल करने के बाद ही पाठक इस संबंध में आर्थिक व्यवहार करें, विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापनदाता जो दावे पेश करते हैं, उनकी जवाबदारी, यशभारत समाचार पत्र नहीं देता, विज्ञापन में किये गये दावों की पूर्ति अगर विज्ञापनदाताओं द्वारा नहीं की जाती है तो उसके परिणाम के लिए यशभारत समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं रहेगा।

टाइट ड्रेस की वजह से Oops Moment का शिकार

टाइट ड्रेस की वजह से उर्वशी रौतेला का शिकार हुईं उर्वशी रौतेला, बार-बार ड्रेस को संभालती आईं नजर, वीडियो वायरल

नई दिल्ली। बॉलीवुड की हॉट एंड बोल्ड एक्ट्रसे उर्वशी रौतेला हमेशा ही अपनी ड्रेसिंग सेंस को लेकर चर्चा में रहती हैं। उर्वशी बॉलीवुड की कई फिल्मों जैसे %सनम रे%, %ग्रेट ग्रैंड मस्ती%, %हेट स्टोरी 4% और %पागलपंती% में काम किया है। वह एक्टिंग के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं।

आए दिन उर्वशी के लेटेस्ट और थ्रोबैक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में बनें रहते हैं। लेकिन कई बार उन्हें अपने इसी हॉट अवतार की वजह से ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ता है। वहीं इसी बीच उनका एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो अपने ड्रेस से परेशान होती हुईं नज़र आ रही हैं। सोशल मीडिया पर उर्वशी का ये ऊप्स मोमेंट वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। उर्वशी रौतेला का वायरल हो रहा ऊप्स मोमेंट वीडियो उनके एक फैन पेज पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि वह सी ग्रीन कलर की टाइट फिटेड ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इसी टाइट फिटिंग ड्रेस से वो परेशान हो रही हैं और उन्हों बैठने में काफी दिक्कत हो रहा है। अपनी इसी ड्रेस को ठीक करते हुए उर्वशी ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं हैं। हालांकि इस मोमेंट को उर्वशी ने जल्दी ही संभाल लिया। एक्ट्रसे का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं अबतक इस वीडियो को हजारों बार देखा जा रहा है। आपको बता दें कि हाल ही में उर्वशी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तसवीर शेयर की थी जिसमें वह मड बाथ लेती नजर आईं थीं। उनकी इस तसवीर को फैंस ने काफी पसंद किया था। उर्वशी ने फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में कई सारी जानकारी भी शेयर की। उन्होंने लिखा, %मेरा पसंदीदा मड बाथ स्पा या मड थेरेपी। आरम्भ में क्लियोपैट्रा मड बाथ की शौकीन थीं और इसके आधुनिक फैंस में मैं शामिल हूं। बैलेरिक बीच पर रेड मड का लुत्फ़ उठा रही हूं। कहा जाता है कि इसे प्यार की रोमन देवी वीनस दर्पण की तरह इस्तेमाल करती थीं। मड वाकई में मडी मारवल हो सकती है। मड बाथ आज भी इसकी चिकित्सीय विशेषताओं की वजह से इस्तेमाल किया जाते हैं। यह त्वचा में से अशुद्धियां निकालती है। त्वचा को मुलायम बनाती है। इससे दर्द से छुटकारा मिलता है।%

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर प्ले हुआ करीना का वीडियो

नई दिल्ली। करीना कपूर ख़ान ने अपने करियर में कई बेहतरीन फ़िल्में और किरदार निभाये हैं। बॉलीवुड की सबसे कामयाब एक्ट्रेसेज़ में करीना शामिल हैं। करीना हाल ही में बेहद उत्साहित नज़र आयीं, जब उन्होंने सोशल मीडिया में अपना एक वीडियो पोस्ट किया। यह वीडियो अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के आइकॉनिक टाइम्स स्क्वायर का है, जहां एक बड़े बिलबोर्ड पर करीना कपूर ख़ान झिलमिला रही हैं। हालांकि, यह वीडियो एक ज्वैलरी ब्रांड का है, जिसे बेबो एंडोर्स करती हैं। इस वीडियो के साथ करीना ने लिखा- एक बिलबोर्ड पर हीरों और सोने की तरह झिलमिलाते हुए। इसके साथ उन्होंने टाइम्स स्क्वायर एनवाईसी हैशटैग लिखा है। करीना के इस वीडियो पर ख़ूब कमेंट आ रहे हैं। उनकी ननद और सैफ़ अली ख़ान की छोटी बहन सबा अली ख़ान ने लिखा- हमेशा की तरह छाई हुई हो। वहीं, प्रियंका चोपड़ा जोनस ने इमोजी के ज़रिए करीना की पोस्ट को पसंद किया है। करीना और प्रियंका ने एतराज़ में एक साथ काम किया था, जिसमें अक्षय कुमार लीड रोल में थे।

पछले दिनों करीना एक ऐसी ख़बर की वजह से सोशल मीडिया में ट्रोलिंग का शिकार बनी थीं

बिलबोर्ड

इस फ़िल्म में प्रियंका का किरदार नेगेटिव था। बाद में शाह रुख़ ख़ान की फ़िल्म डॉन में प्रियंका चोपड़ा ने फीमेल लीड रोल निभाया था। वहीं, करीना ने एक स्पेशल गाना किया था। करीना के करियर की बात करें तो वो अब आमिर ख़ान के साथ लाल सिंह चड्ढा में नज़र आएंगी, जो अभी निर्माणाधीन है। हॉलीवुड फ़िल्म फॉरेस्ट गम्प के इस रीमेक की शूटिंग करीना पूरी कर चुकी हैं। पिछले दिनों करीना एक ऐसी ख़बर की वजह से सोशल मीडिया में ट्रोलिंग का शिकार बनी थीं, जिसकी कोई पुष्टि भी नहीं है। बॉयकॉट करीना कपूर ख़ान ट्विटर पर ट्रेंड हुआ था। ख़बर के अनुसार, करीना को रामायण पर बन रही एक फ़िल्म में सीता का रोल ऑफ़र किया गया है। बस इसी को लेकर सोशल मीडिया में उनके बायकॉट की मांग उठने लगी। करीना इसी साल दूसरी बार मां बनी हैं। लाल सिंह चड्ढा के बाद करीना की किसी फ़िल्म का आधिकारिक एलान४ नहीं किया है।

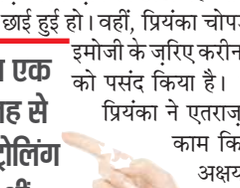

55 की उम्र में एक साथ लगाए 40 पुश-अप्स

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता मिलिंद सोमन अपनी फिटनेस को लेकर फैंस के बीच काफी चर्चा में रहते हैं। साथ ही वो सोशल मीडिया पर वर्कआउट सेशन की तस्वीरें वीडियो शेयर करते रहते हैं। उन्होंने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो और फोटो शेयर किया है। जो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिनेता मिलिंद सोमन पुशअप लगाते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में मिलिंद 39 नॉन-स्टॉप पुश अप्स लगाते हैं। इसके बाद कैमरे की ओर देखते हुए मुस्कुराते हैं और अंत में एक और पुश-अप लगाकर अपनी 40 पुश-अप पूरा करते हैं। वीडियो को साथ उन्होंने अपनी एक शर्टलेस तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें वो अपने बाइसेप्स और जबदस्त एब्स फ्लॉन्ट करते हुए पोज दे रहे हैं। फोटो वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन लिखा, 'बेसिक्स बातों को कभी न भूलें यहां तक कि जब मैं कहता हूं कि मेरे पास पूरे दिन कसरत के लिए वक्त नहीं है तो भी कुछ मिनट निकालता हूं! ज्यादातर बार देखता हूं कि 60 सेकेंड में कितने की जरूरत होती है?' उन्होंने आगे लिखा, 'वक्त, स्पेस, इक्विपमेंट ना होना कोई बहाना नहीं होता, अपने बॉडी वेट को मूव करना काफी अच्छी बात है। बस एक मिनट में पुश-अप्स की संख्या को बढ़ाने की कोशिश करते रहें। ये वर्कआउट शुरू करने का अच्छा टारगेट है और खत्म करने के लिए एक बेहतरीन गोल है!' इससे पहले उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर बता था, कि कोरोना मुक्त होने के बाद पहली बार 10 किमी की दौड़ को 62 मिनट पर पूरा किया। इस पोस्ट को शेयर कर उन्होंने दौड़ से होने वाले फायदों और दौड के सही तरीकों के बारे में बात की थी। साथ ही उन्होंने कहा कि 'मैं दौड़ने के बाद अपने चेहरे पर सनस्क्रीन का यूज नहीं करता। अगर धूप तेज हो गई है। तो में चेहरे पर थोड़ा सा दही लगाता हूं और इसको पानी से धो लेता हूं, जिससे चेहरा एकदम चमक जाता है।'

शूटिंग से दो महीने बाद लौटीं टीवी एक्ट्रेस

नई दिल्ली। बीते दिनों कोरोना वायरस के चलते देश के लगभग सभी राज्यों में कर्फ्यू और लॉकडाउन लगा हुआ था। उनमें महाराष्ट्र भी शामिल था। जिसके चलते टीवी और बॉलीवुड के कई कलाकरों को अन्य राज्यों में शूटिंग के लिए जाना पड़ा। चूंकि कोरोना के मामलों में आई गिरावट को देखते हुए अब हर राज्यों ने अपने यहां अनलॉक की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसकी वजह से सितारे वापस अपने घर लौट रहे हैं। ऐसे में छोटे पर्दे की मशहूर अभिनेत्री जूही परमार भी अपने घर वापस लौटी हैं। वह अपने शोज की शूटिंग के चलते करीब दो महीने से अपने घर से दूर थीं। वहीं दो महीने बाद घर पर बेटी से मिलने पर जूही परमार भावुक को गई हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी है। जूही परमार सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहने वाले टीवी सितारों में से एक हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में जूही परमार अपनी बेटी समायरा के साथ नजर आ रही हैं। वीडियो में अभिनेत्री चुपके से अपनी बेटी समायरा के कमरे में जाती हैं। वहीं समायरा दो महीने बाद अपनी मां को देखकर खुशी से दौड़ती हुईं जूही परमार के पास आ जाती हैं। इसके बाद वह अपनी मां को गले लगा लेती हैं। द्वइस वीडियो को साझा करते हुए जूही परमार ने बेटी के लिए भावुक पोस्ट लिखा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, %उसे (बेटी) इस बात का अंदाजा नहीं था कि मैं दो महीने के लंबे आउटडोर शूट के बाद आज वापस आने वाली हूं और इसलिए हैरान चेहरा, लेकिन एक खुशी। दो महीने तक तुमसे दूर रहना मेरे लिए कितना मुश्किल था यह सिर्फ मैं ही जानती हूं। यह पहली बार है जब मैंने तुमको इतने लंबे समय तक नहीं देखा है जूही परमार ने पोस्ट में आगे लिखा, %केवल मुझे पता है कि हर दिन कितना मुश्किल था ... मेरा दिल रोज रोता था लेकिन मुझे पता था कि यह भी बीत जाएगा। और जिस तरह से तुमने मुझे गले लगाया, जिस तरह से तुमने मुझे थामे रखा, काश मैं उस पल को फ्रीज कर पाती। मुझे नहीं लगता कि इस दुनिया में कोई है जो एक बच्चे को मां से ज्यादा और मां को बच्चे से ज्यादा प्यार कर सकता है। यह बंधन सच में अचल है। जूही परमार का यह पोस्ट वायरल हो रहा है।

कलेक्टर-विधायक की जुगलबंदी

वैक्सीनेशन के लिए लोगों को कलावा-हल्दी चावल रख किया जा रहा आमंत्रित

[illegible]

प्रदेश में जबलपुर इकलौता जिला जहां इस तरह का प्रयास, वैक्सीनेशन में प्रदेश में दूसरा स्थान

[illegible] मालूम हो कि पनागर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले महगवां-परियट गांव में शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन का लक्ष्य हासिल करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। प्रशासनिक अधिकारियों की अगुवाई में गांव के सरपंच अशोक कोल और ग्राम पंचायत सचिव कल्पना अग्निहोत्री ने कमान संभाली। पहले गांव के सभी लोगों को वैक्सीन के लिए तैयार किया। इसके बाद अधिकारियों से बोलकर गांव में विशेष कैम्प का आयोजन रखवाया गया।

लक्ष्य से ज्यादा लोगों को वैक्सीनेशन

16 जून को जिले में कोविड टीकाकरण के कुल 162 सत्र आयोजित किये गए जिसमे 25000 व्यक्तियों को कोविड टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया था लक्ष्य के विरुद्ध कुल 29032 हितग्राहियों का 116त्न कोविड टीकाकरण सुनिश्चित किया गया। आज दिनांक तक एक दिवस में प्राप्त की गई सबसे ब?ी संख्या है।

जन आंदोलन बन गया वैक्सीनेशन

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने बताया कि कोरोना संक्रमण को पूरी तरह से रोकना है तो उसके लिए सभी के प्रयास करना होगा। फिलहाल के दिनों में देखा गया है कि लोग भी वैक्सीनेशन को लेकर बढ-चढकर आगे आ रहे हैं, ये अच्छी बात है। वैक्सीनेशन कार्य अब जन आंदोलन बन गया है। हमारा प्रयास है कि पूरे जिले में वैक्सीनेशन का कार्य शत-प्रतिशत हो। गांव से लेकर शहर तक में प्रत्ये व्यक्ति को वैक्सीनेशन हो। कलेक्टर ने संस्कारधानी के जागरूक नागरिकों से अपील की है कि निकट के टीकाकरण केंद्र में जिनका कोवैक्सीन का दितीय डोज होना है वह टीकाकरण लगवाकर अपना पूर्ण टीकाकरण करवाये कोविड पर विजय प्राप्त करे प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

विधायक खुद पहुंच रहे घर-घर

पनागर विधानसभा में वैक्सीनेशन का कार्य शतप्रतिशत हो इसके लिए विधायक सुशील तिवारी खुद घर-घर पहुंच रहे हैं। खास बात यह है कि विधायक द्वारा वैक्सीनेशन के लिए लोगों को तिलक, कलावा और घरों में हल्दी चावल रखकर आंमत्रित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले के पहले शत-प्रतिशत वैक्सीनेट गांव का तमगा हासिल करने वाले महगवां-परियट गांव में शाम को पनागर विधायक सुशील तिवारी और कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने बुजुर्ग महिलाओं को विधायक ने अपनी तरफ से 5-5 हजार रुपए दिए। वहीं सभी बुजुर्गों को छाता दिया गया। सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव को शत-प्रतिशत वैक्सीनेट गांव का प्रमाण पत्र और विधायक की घोषणा अनुसार विकास कार्यों के लिए 5 लाख रुपए का चेक दिया।

जबलपुर का हर्षद मेहता

नेता कलीम- छोटू अंसारी को भी भेजा था कलेक्टर का फर्जी नोटिस

पुलिस अधीक्षक ने कहा- होगी बड़ी कार्रवाई

जबलपुर,यशभारत। हर्षद मेहता की बेब सीरीज देखकर जल्द करोड़पति बनने की लालच में धरा गया आरोपी मो.हमजा पिता मो. नियाज के कारनामों की परत-दर-परत खुलती जा रही है। पुलिस कप्तान सिद्धार्थ बहुगुणा के आदेश पर हुई कार्रवाई में जालसाज युवक ने नेता कलीम और छोटू अंसारी को भी कलेक्टर का फर्जी नोटिस भेजा था। आरोपी युवक शहर के ऐसे लोगों को निशाना बनाकर पैसा हथियाना चाहता था जो बड़े प्रोजेक्टों या कार्यों में जुटे हुए है। लेकिन युवक का पासा उल्टा पड़ गया और त्वरित कार्रवाई कर पुलिस ने युवक को जाल बिछाकर दबोच लिया। जिसे आज पुलिस कोर्ट में पेश करेगी।

यशभारत फॉलोअप

गोहलपुर सीएसपी अखिलेश गौर ने बताया कि रद्दी चौकी स्थित केजीएन लगवा अस्पताल के डॉक्टर अब्दुल लतीफ ने शिकायत की थी कि कलेक्टर और तहसीलदार के नाम से एक पत्र अस्पताल पहुंचा है जिसमें कारण बताओं नोटिस जारी कर, पेशी दिनांक दी गई थी। इतना ही नहीं मामला निपटाने के 1.5 लाख रुपए की मांग की गई थी। पुलिस ने डॉक्टर की शिकायत को गंभीरता से लिया तो पूरा मामला जालसाजी से जुड़ा हुआ निकला। इसमें क्षेत्र का मो.हमजा नाम

यश भारत
जबलपुर का हर्षद मेहता गिरफ्तार
कलेक्टर-तहसीलदार की फर्जी सील बनाकर डॉक्टर से ब्लेकमेलिंग

का युवक डॉक्टर को ब्लेकमेल कर रहा था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया।

स्कूल का प्रोजेक्ट है कहकर बनवाया था नोटिस पकड़े गए शातिर युवक ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसके द्वारा जारी किए गए फर्जी नोटिसों को उसने एक कम्प्यूटर ऑपरेटर से यह कहकर निकलवाए थे कि उसको स्कूल में प्रोजेक्ट बनाना है। जिसके बाद ऑपरेटर ने उसकी मदद कर दी और कम्प्यूटर से नोटिस निकालकर उसे दे दिया। इस पूरे फर्जीबाड़े से जुड़े अन्य लोगों की भी पुलिस तलाश कर रही है।

> फर्जीबाड़े का यह बड़ा मामला था। आरोपी अपने मनसूबों पर कामयाब हो पाता, उससे पहले दबोच लिया गया। मामले की जांच-पड़ताल जारी है।
> [illegible]

भेड़ाघाट में बनाता था सीनरी, घर का नहीं था सपोर्ट

शातिर आरोपी मो.हमजा पिता मो. नियाज अपनी रोजी-रोटी कमाने के लिए भेड़ाघाट में सीनरी बनाने का कार्य करता था। पूछताछ के दौरान जब पुलिस आरोपी युवक के परिजनों से मिली तो उन्होंने इस पूरे मामले से किनारा करते हुए बताया है कि उनका युवक को कोई सपोर्ट नहीं था।

[illegible]

सवा दो सौ साल पुरानी आयुध निर्माणियां अब निगम में

[illegible] सवा दो सौ साल पहले1802मे ईछापुर कोलकाता में स्थापित पहली आयुध निर्माणी के बाद से रक्षा मंत्रालय के तहत स्थापित41आयुध निर्माणियों का इतिहास बदलते हुए केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बुधवार को निगमीकरण की मुहर लगा दी ।अब आयुध निर्माणी बोर्ड के तहत संचालित41फैक्ट्रियों को सात निगमों मे बदल दिया गया है।

इधर निगमीकरण की खबर लगते ही कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया ।सुरक्षा कर्मचारियों के तीनों महासंघ ए आई डी ई एफ भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ और इंटक की ए आई एन डी डब्ल्यू के साथ अराजपत्रित अधिकारी संघ सिड्रा आदि ने विरोध जताना शुरू कर दिया है ।निगमीकरण की घोषणा पर रक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया है कि 70हजार कर्मचारियों की सेवा शर्तों पर कोई असर नहीं होगा वहीं आयुध निर्माणियों मे नई तकनीक और क्षमता के साथ विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा में सक्षम होंगी ।उल्लेखनीय है कि 2019 में ही सबसे पहले यशभारत ने निगमीकरण की खबर को उजागर किया था ।उसके तुरंत बाद ही आंदोलन शुरू हो गए थे ।अगस्त में एक माह की ह?ताल भी शुरू हो गई थी ।लेकिन पांच दिन बाद रक्षा उत्पादन सचिव से समझौता होने के बाद इसे स्थिगित कर दिया गया था ।16मई2019को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आर्थिक पैकेज की घोषणा के दौरान पुन: आयुध निर्माणी बोर्ड को निगम बनाने की घोषणा से कर्मचारी संगठनों ने बेमुद्दत ह?ताल की घोषणा कर दी थी ।लेकिन समझौता वार्ता के जरिये ह?ताल टलती रही ।तीनों फेडरेशन के राष्ट्रीय नेता एस एन पाठक सी श्री कुमार बी गुहाठाकुता अरुण दुबे नरेंद्र तिवारी आदि ने कहा कि सरकार ने विश्ववास घात कर सुरक्षा कर्मचारियों की पीठ पर छुरा भोंका है ।सरकार सीधे निजीकरण नहीं कर सकती है ।लिहाजा निगमीकरण का मार्ग अपनाया है ।सरकार ने तमाम संवैधानिक प्रक्रिया को भी दर किनार कर अवैध कृत्य किया है ।दूसरी ओर सभी सुरक्षा संस्थानों में इसका विरोध जताया है श्रमिक संगठनों के रामप्रवेश अर्नव दासगुप्ता शरद अलवाल पुष्पेंद्र सिंह आनंद शर्मा अमित चौबे ह्रदेश यादव नितिन चाकर नितेश सिंह बृजेश शाह अजय विश्वकर्मा प्रदीप सिंह प्यारे लाल दिवाकर मिठाई लाल रजक रोहित यादव राजा पांडे आशीष विश्वकर्मा संजय रजक श्री राम मीणा राकेश दुबे मनोज साहू शशि भूषण पांडे भूपेंद्र दाहिया ए आई ए एन जी ओ के अजय चौहान अजय यादव शरद बोरकर जितेंद्र दुबे सतेंद्र सिंह आदि ने कहा कि निगमीकरण के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

केबिनेट की मुहर लगते ही कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

घर में थी शादी, चोरों ने पार कर दिए लाखों के जेवरात, नकदी भी

जबलपुर, यश भारत। शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। जिसके चलते थाना माढ़ोताल में देर रात चोरों ने एक शादी वाले घर को निशाना बनाकर लाखों के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। चोर उसके पास वाले घर से हजारों का माल लेकर रफूचक्कर हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। जानकारी अनुसार दीनदयाल बस स्टेंड के पास स्थित गुड़िया तिवारी के घर में शहनाइयां गूंज रहीं थी। देर रात पूरा परिवार सो गयाऔर आज

सुबह जब उठकर देखा तो घर से करीब दो लाख रुपए के जेवर और नकदी गायब थी। यहीं नहीं इसी के पास वाले घर में भी चोरों ने धाबा बोलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों मामले दर्ज कर, जांच शुरु कर दी है। माढ़ोताल थाना प्रभारी रीना पाण्डेय ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। जिस वक्त यह घटना हुई पूरा परिवार गहरी नींद में था और शायद एक गेट खुला रह गया। तभी चोरों ने मौका पाकर, घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद क्षेत्र के आदतन आरोपियों को थाने बुलाकर पूछताछ की जा रही है। घटना के सबूत जुटाने और आरोपियों के गिरेबां तक पहुंचने पूरी कॉलोनी में लगे सीसीटीव्ही के फुटेज खंगाले जा रहे है।

शौच को गई महिला की लाश नाले में मिली

[illegible] खितौला थाना अंतर्गत आज सुबह एक 40 वर्षीय महिला की नाले में पड़ी हुई लाश मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। महिला घर में अकेली थी और कल शाम को शौच के लिए गई थी। आज सुबह जब उसका पति खलिहान से

खितौला थाने का मामला

घर वापस आया तो देखा कि उसकी पत्नी का शव नाले में पड़ा हुआ है। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध है। हत्या की आशंका जताई जा रही है। अब पीएम रिपोर्ट के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि वार्ड नंबर 16 निवासी 40 वर्षीय गुलाब बाई पति गणेश प्रसाद कुर्मी रात को घर पर अकेली थी। उसका पति खेत गया हुआ था। रात में वह घूमने के लिए गई हुई थी जो वापस अपने घर नहीं लौटी। आज सुबह उसका पति जब खेत से वापस घर आया तो वह मौके पर नहीं मिली। तलाश करने पर कुछ दूरी पर जाकर देखा तो नाला में उसकी लाश पड़ी हुई थी। पुलिस ने बताया कि

हत्या की आशंका जांच जारी

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना का पता चल सकेगा, बहरहाल मर्ग कायम कर घटना की पड़ताल की जा रही है।

मौके पर पहुंची एफएसएल टीम

पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मौके पर एफएसएल टीम पहुंची है। प्रथम दृष्टा मामला संदिग्ध है। वहीं इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी है। पुलिस मोहल्ले वालों और मृतिका के रिश्तेदारों के बयान दर्ज कर रही है।

बहोरीबंद की खदान में बंधक बनाकर महिला से बलात्कार

22 वर्षीय युवक को पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

[illegible] मझौली थाना अंतर्गत एक 25 वर्षीय महिला को बंधक बनाकर बलात्कार करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी 22 वर्षीय युवक पीड़िता को बहला-फुसलाकर अपनी बाइक में बुधवारा थाना बहोरीबंद जिला कटनी ले गया और खदान में बनी एक टपरिया में उसके साथ दुराचार करता रहा। महिला जैसे-तैसे किसी प्रकार से पीछा छुड़ाकर घर पहुंची और पति को इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। जिसके बाद पीड़िता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दुराचार करने वाले आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्त में ले लिया। जिससे पूछताछ जारी है। वहीं, इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति है। मझौली पुलिस ने बताया कि देवरी अमंगवा निवासी एक 22 वर्षीय युवक गांव की ही रहने वाली 25 वर्षीय महिला को विगत 24 मई की दोपहर में उस समय बाइक में बिठाकर ले गया जब वह अपने खेत में काम करने के लिए गई हुई थी। पुलिस के अनुसार आरोपी मनीष चक्रवर्ती बुधवारा ले जाकर उसके साथ दुराचार करता रहा। गत दिवस पीड़िता किसी प्रकार से उससे छुटकारा पाकर अपने घर पहुंचने पर उसने यह पूरी घटना पति को बताई। जिसके बाद पति ने पुलिस में आरोपी के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई।

घटना से क्षेत्र में हड़कंप

जंगल की ओर भाग रहा था आरोपी

घटना के संबंध में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा उसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही थी आज सुबह पुलिस को उसके ठिकाने की सूचना मिलते ही जब वह मौके पर पहुंची तो आरोपी ने जंगल की ओर भागने का प्रयास किया, जिसे बाद में पुलिस ने घेराबंदी कर उसे अपनी गिरफ्त में ले लिया। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ करने के बाद उसके विरुद्ध अग्रिम कार्यवाही की गई।

गुमशुदगी की दर्ज थी रिपोर्ट

खेत के जाने के लिए घर से निकली महिला जब शाम तक वापस नहीं आई थी तो परिजनों को इस बात की चिंता हुई और उनके द्वारा रिश्तेदार एवं आसपास के गांव में तलाश की गई। इसके बावजूद भी जब उसका कोई सुराग नहीं लगा था तो उनके द्वारा घटना के दूसरे दिन पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

ओ एफ के सोसायटी में भर्ती घोटाले की जांच

जबलपुर यशभारत। आयुध निर्माणी खमरिया को आपरेटिव सोसायटी में विगत दिनों हुई भर्ती के मामले में पहुंची शिकायतों को लेकर संयुक्त आयुक्त सहकारिता विभाग ने जांच कमेटी नियुक्त कर दी है ।जांच अधिकारी आगामी21जून को को सहकारिता विभाग के सिविक सेंटर के द्वितीय स्तल स्थित कार्यालय में. जांच करेंगे ।इस संबंध में शिकायत कर्ताओं को सूचना जारी कर दी गई है कि नियत समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी बात और साक्ष्य प्रस्तुत करें। आठ शिकायत कर्ताओं ने आरोप लगाया था कि सोसायटी में जिन6पदों के लिए भर्ती हुई है उसमें भ्रष्टाचार और अनियमित्ताएं हुई है। शिकायत मे कहा गया है कि भर्ती पदों के लिए विधिवत विज्ञापन के साथ परीक्षा में धांधली हुईहै ।भर्ती के लिए भारी लेनदेन के साथ चिन्हित उम्मीदवारों को चयनित कर उपकृत किया गया है ।दूसरी ओर सोसायटी प्रबंधन ने भी अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि भर्ती में पारदर्शिता के साथ प्रक्रिया अपनाई गई है ।बहरहाल शिकायतकर्ता 21जून को अपने साक्ष्य के साथ अपनी बात रखेंगे।

सहकारिता विभाग के निर्देश 21जून को रखें अपना पक्ष

अब नई श्रृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

Pure & Tasty AK's Special Jabalpur
मो. 9827681910
गर्मी के मौसम में स्पेशल सत्तू चने का उपलब्ध है। अब हमारे नये शोरूम गोरखपुर में
अशोक कुमार अजित कुमार
गुलाबी चना, मुरमुरा, बोल्ड चना, केला चिप्स, बोल्ड पीनट, मसाला चना, ड्राय मेल, चना जौर गर्म
प्रियदर्शनी एवं सेवा केन्द्र मढ़ाताल में उपलब्ध
होम डिलेवरी के लिए अनुभवी लड़कों की जरूरत है

SONY Panasonic INTEX Kurl-on Haier Godrej SAMSUNG USHA PHILIPS & All Product
शादियों के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध
आसान किश्तों पर आसान शर्तों पर
बेटी की शादी का पूरा फर्नीचर सागौन द्वारा निर्मित
मिश्रा फर्नीचर्स एण्ड इन्टरप्राइजेज
सरकारी कुंआ, शीतलामाई रोड, जबलपुर फोन नं. 2626496 मो. 9827235010
फर्नीचर्स वारंटी पर उपलब्ध

सुपरस्पेश्यालिटी पेट एवं लिवर रोग क्लीनिक
डॉ. मनीष तिवारी
M.B.B.S., MD, DM Gastroenterology Member of American college of Gastroenterology Consultant Gastroenterologist, Shailby Hospital Super Speciality Gastro & Liver Clinic Jabalpur
उपचार की सुविधायें
- पेट में लंबे समय से तकलीफ
- लिवर से संबंधित बीमारियां
- पेंक्रियाज से संबंधित बीमारियां
- पाचन से जुड़ी हुई परेशानियां
पता सुपरस्पेश्यालिटी पेट एवं लिवर रोग क्लीनिक उखरी तिराहा, विजयनगर, जबलपुर
परामर्श के लिये संपर्क करें- 8085257585, 0761-4004867

ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति || जय बाबा मसान || ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति
"आपका साथी" एवं सम्पूर्ण समाधान मृत्यु उपरांत
दाह संस्कार पूजन सामग्री
एवं पूजन, पंडित व्यवस्था प्रतिष्ठान
दाह संस्कार से संबंधित सम्पूर्ण सामग्री आपके बताये पते पर भेज दी जावेगी
9111712445, 8871253911 9111712445, 7999526101
दाह संस्कार सामग्री | खारी/ तीसरे दिन की पूजन सामाग्री | दशगात पूजन | बारहवीं, तेरहवीं गंगाजली पूजन
दुकान पता: "आपका साथी" बल्देवबाग पेट्रोल पम्प के पास स्मॉल वण्डर स्कूल के सामने, उखरी रोड, जबलपुर

[illegible] 16/5, [illegible] 11 [illegible] (0761) 2643333, 2646666, [illegible] 4184185
[illegible] /26/19-21 [illegible] RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com ([illegible])